पेज : 5

पेज : 4

योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भत्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शनिवार, 22 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 356 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

मेरठ मर्डर केस में सामने आया नया मोड़, तांत्रिक क्रिया का जताया जा रहा है शक

मेरठ : मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड के तार तांत्रिक क्रिया से जुड़ते नजर आ रहे हैं। हत्या की जांच में एक नया मोड़ आया है, जिसमें उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला द्वारा तांत्रिक अनुष्ठान किये जाने का शक गहरा गया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक तंत्र-मंत्र के दावों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों का आरोप है कि साहिल का अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के प्रति जुनून था। सौरभ की मां रेणु देवी ने दावा किया है कि उनके बेटे की हत्या के पीछे तांत्रिक अनुष्ठान मुख्य कारण थे। उनका दावा है कि मुस्कान और साहिल दोनों ही इसमें शामिल थे। रेणु देवी ने आरोप लगाया, मुस्कान और साहिल दोनों ही तांत्रिक अनुष्ठान करते थे। दोनों ने तंत्र-मंत्र करके मेरे बेटे की हत्या कर दी।" मुस्कान के माता-पिता कविता और प्रमोद रस्तोगी ने भी आरोप लगाया, साहिल ने अंधविश्वास से ही मुस्कान को अपने कब्जे में किया हुआ था।"

दिल्ली हाईकोर्ट के जज के बंगले में लगी आग तो निकला नोटों का भंडार, अब सीजेआई ने लिया एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को फिर से इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश करने का फैसला किया है। इस फैसले के बाद काफी ज्यादा हड़कंप मच गया और बातें चलने लगी कि आखिर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को ये फैसला क्यों लेना पड़ा? पुलिस को मिला पैसों का भंडार अब सूत्रों के मुताबिक ये जानकारी सामने आई है कि, पिछले दिनों जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में आग लगने की घटना घट गई थी। जिसके बाद पुलिस को वहां से पैसों का भंडार मिला था। हालांकि, जब पैसे मिले थे उस वक्त जस्टिस वर्मा अपने आवास में नहीं थे, वो शहर से बाहर थे। जस्टिस वर्मा के आवास से भारी मात्रा में कैश मिलने की बात सीजेआई संजीव खन्ना की

अगवाई वाले सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम को पता चली। कॉलेजियम ने इसलिए जस्टिस यशवंत वर्मा को फिर से इलाहाबाद भेजने का फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक जब जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लगी तो घर वालों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी थी। आग बुझाने के बाद किन-किन चीजों का नुकसान हुआ है, इसका आंकलन करने पुलिस अंदर गई तो वहां से भारी मात्रा में कैश मिला। इसके बाद रिकॉर्ड में पैसों का भंडार मिलने की बात दर्ज की गई। पुलिस अधिकारियों ने इस

बुलाकर जज के खिलाफ फैसला लिया गया

दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर आग लग गई थी। जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई थी। आग बुझाने के बाद जब पुलिस घर के अंदर गई तो भारी मात्रा में कैश मिला। इस बात की सूचना सीजेआई तक पहुंचने के बाद कॉलेजियम की बैठक बुलाकर जज के खिलाफ फैसला लिया गया।

बात की सूचना अपने शीर्ष अधिकारियों को दी, फिर ये बाद सरकार के उच्च अधिकारियों से होते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना तक पहुंच गई। सीजेआई ने इस गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के लिए कॉलेजियम की बैठक बुलाई। फिर दिल्ली से बाहर ट्रांसफर किए जाने पर कॉलेजियम की सहमती बनी। सूत्रों के मुताबिक, कॉलेजियम की बैठक में कुछ जजों ने कहा कि यदि इस तरह की गंभीर घटना को तबादले के साथ छोड़ दिया जाता है, तो इससे न केवल न्यायपालिका की छवि धूमिल होगी, बल्कि संस्थान में लोगों का अटूट विश्वास भी खत्म हो जाएगा। उनका मानना था कि संबंधित जज को इस्तीफा देने के लिए कहा जाना चाहिए। क्या है प्रक्रिया? दरअसल, संवैधानिक न्यायालय के जजों के खिलाफ भ्रष्टाचार, गलत काम और न्यायिक अनियमितता के आरोपों से निपटने के लिए 1999 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आंतरिक प्रक्रिया तैयार की गई थी। इसके मुताबिक शिकायत मिलने पर सीजेआई संबंधित जज से जवाब मांगेंगे और जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर मामले की गहन जांच की आवश्यकता होगी।

इसके बाद आंतरिक जांच समिति का गठन होगा, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के एक जज और अन्य हाई कोर्ट के दो मुख्य जज शामिल होंगे।

'15 करोड़ लोगों को नहीं मिल रहा लाभ', जनगणना में देरी पर अजय माकन ने सरकार को घेरा; राज्यसभा में जमकर हुआ हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने शुक्रवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान जनगणना के क्रियान्वयन में देरी और गृह मंत्रालय के आवंटित बजट का कम उपयोग करने के लिए सरकार की आलोचना की। गृह मंत्रालय के कामकाज पर बहस में भाग लेते हुए कांग्रेस नेता अजय माकन ने बताया कि 2011 में पिछली जनगणना के बाद से भारत की जनसंख्या में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। माकन ने कहा, "2011 में जनसंख्या 121 करोड़ थी, अब यह 146 करोड़ होने की उम्मीद है... 2011 की जनगणना के लिए हमने 2009 में ही कार्यक्रम बनाना शुरू कर दिया था। अब जनगणना हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जन कल्याण के लिए हमारे सभी कार्यक्रम इसी पर आधारित हैं।" उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रीय खाद्य

सुरक्षा अधिनियम के तहत, जो ग्रामीण क्षेत्र की लगभग 70 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र की 50 प्रतिशत आबादी को कवर करता है, यदि नई जनगणना की जाती है तो अतिरिक्त 15 करोड़ लोगों को संभावित रूप से लाभ मिल सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा, "आप उन्हें उस लाभ से वंचित कर रहे हैं क्योंकि आप अभी तक जनगणना नहीं कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि देरी से राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा किए जाने वाले अन्य सर्वेक्षणों में भी बाधा आएगी। कोविड महामारी के कारण जनगणना की योजनाओं में बाधा उत्पन्न होने की बात स्वीकार करते हुए माकन ने बाद के वर्षों में आवंटित धन का उपयोग नहीं करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2022 में आवंटित जनगणना निधि का 66 प्रतिशत, 2023 में 85 प्रतिशत और 2024 में 58 प्रतिशत समाप्त हो गया। उन्होंने कहा, "जनगणना जल्द से जल्द कराने का कोई वादा नहीं किया गया है।" कांग्रेस नेता ने सीमा सुरक्षा और पुलिस आधुनिकीकरण को लेकर चिंताओं को भी उजागर किया। माकन के अनुसार, 2023-24 के लिए सीमा अवसंरचना विकास कार्यक्रम के तहत लगभग 225 करोड़ रुपये अप्रयुक्त रह गए। केंद्र सरकार पर साधा निशाना उन्होंने कहा, "पिछले सात वर्षों में सीमा अवसंरचना और पुलिस आधुनिकीकरण के लिए आवंटित लगभग 70,697 करोड़ रुपये वापस कर दिए गए," उन्होंने कहा कि बजट आवंटन का लगभग 22.93 प्रतिशत, लगभग एक-चौथाई, खर्च नहीं किया गया।

आम आदमी पार्टी में बड़ा बदलाव, सिसोदिया को पंजाब भेजा; सौरभ भारद्वाज को मिली दिल्ली की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली में सत्ता गंवाने के बाद अब आम आदमी पार्टी ने अन्य राज्यों में अपने संगठन का विस्तार करने पर काम शुरू कर दिया है। इसी के तहत शुक्रवार सुबह आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर पर पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक हुई, जिसमें कई राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन किया गया है। इसी बैठक में फैसला लेते हुए गोपाल राय की जगह सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बना दिया गया है। अरविंद केजरीवाल के घर पर सम्पन्न हुई पीएसी की बैठक में चार राज्यों के प्रभारी की नियुक्ति हुई है। इसमें सबसे अहम है सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष बनाना। जम्मू-कश्मीर से महराज मलिक प्रदेश

अध्यक्ष बनाए गए हैं तो, पहले दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष रहे गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी नियुक्त किया गया है तो संदीप पाठक को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है, वहीं सत्येंद्र जैन को पंजाब का सह प्रभारी बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली आप के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा, मैं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पीएसी को नई जिम्मेदारी के लिए धन्यवाद देता हूं। आप सब के साथ मिलकर दिल्ली के लोगों की आवाज उठाएंगे और संगठन को मजबूत करेंगे। आपका आभार। मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुझे बड़ी खुशी है कि अरविंद केजरीवाल ने मुझे पंजाब के प्रभारी के रूप में काम करने की जिम्मेदारी दी है। सिसोदिया ने कहा, मैं पिछले कुछ दिनों के अनुभव से कह सकता हूं कि पंजाब के लोगों ने तीन साल पहले अरविंद केजरीवाल की राजनीति से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी को मौका दिया और भगवंत मान को मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद से पंजाब में बहुत काम हुए हैं। सिसोदिया आगे बोले, पंजाब में ऐसे-ऐसे काम हुए हैं, जिनके बारे में पिछली सरकारें सोच भी नहीं सकतीं थीं। पंजाब में युवाओं को नौकरी देने, स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक बनाने, गांवों में किसानों की खुशहाली के लिए खेती को लेकर जितने निर्णय लिए गए

'हम तो आतंकियों को देखते ही दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं'

राहुल गांधी पर गृह मंत्री शाह का निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी): राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 के हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुई प्रगति की जानकारी राज्यसभा में दी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। शाह ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का भी जिक्र किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हिसाब मांगते हैं कि 370 से क्या हुआ? अरे हिसाब तो उनको दिया जाता है, जिनकी नजरें साफ होती हैं। जो काला चश्मा पहनकर और आंख मूंदकर बैठते हैं... उनको विकास नहीं दिखेगा। गृह मंत्री ने आगे कहा कि किसी सदस्य ने ठीक ही कहा था कि कश्मीर तक पैदल यात्रा निकाली। अपने कार्यकताओं के साथ

बर्फ की होली भी खोली और कहा कि मुझे दूर से आतंकवादी दिखाई पड़ा था। गृह मंत्री शाह ने राहुल गांधी की चुटकी ली और कहा कि अरे भाई, जिनकी नजर में ही आतंकवादी है तो आपको सपने में भी नजर आएगा और आपको कश्मीर में भी दिखाई पड़ेगा। हम तो आतंकवादी देखते ही सीधा दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं। हमारी सरकार न आतंकवाद को सह सकती है और न ही आतंकवादियों को।

प्रवासी वोट बैंक पर भाजपा की नजर, हरियाणा के सात जिलों में मनाया जाएगा बिहार दिवस

चंडीगढ़ (एजेंसी): लोकसभा, विधानसभा और शहरी निकाय चुनाव के बाद हरियाणा भाजपा अब बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। नवंबर 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव हैं। बिहार मूल के लाखों लोग हरियाणा में रहते हैं, इसलिए उन्हें अपनी पार्टी से जोड़ने के लिए भाजपा ने हरियाणा के सात जिलों में बिहार दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इन कार्यक्रमों में भाजपा के राज्यस्तरीय नेता शामिल होंगे, ताकि बिहार के लोगों को यह भरोसा दिलाया जा सके कि पार्टी उनके सुख-दुख में बराबर की साझीदार है। इसका फायदा बिहार में होने वाले चुनाव में मिल सकता है। प्रदेश के जिन सात जिलों में 22 मार्च को बिहार दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है, उनमें यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत और सोनीपत जिले शामिल हैं। आसपास के जिलों में रहने वाले बिहार के लोगों को भी इन कार्यक्रमों में शामिल होने के

लिए प्रेरित किया गया है। हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने बिहार दिवस कार्यक्रमों के लिए प्रदेश तथा जिला स्तर पर समितियों का गठन किया है। भाजपा की प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता को प्रदेश समिति का संयोजक बनाया गया है, जबकि पवन यादव, राजकुमार कटारिया व वेद पाराशर को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। बिहारी वोटबैंक पर सरकार की नजर भाजपा हरियाणा की तर्ज पर देश के उन राज्यों में भी बिहार दिवस मना रही है, जहां बिहार मूल के लोग अधिक रहते हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान स्वाभाविक रूप से यह लोग मतदान करने अपने राज्य में जाएंगे। ऐसे में मतदान करते समय उनके दिमाग में भाजपा के इस प्रेम और सम्मान की याद रहना संभव है। यमुनानगर जिले के लिए कृष्ण सिंगला संयोजक, सुरेंद्र शर्मा, विपुल गोयल और राजू सह संयोजक बनाए गए, जबकि कुरुक्षेत्र जिले में रवि बतान संयोजक, तिलकराज अग्रवाल, राजीव राय व विकास चौबे सह संयोजक नियुक्त किए गए हैं। करनाल जिले में मेयर रेणुबाला गुप्ता को मिली जिम्मेदारी करनाल जिले में मेयर रेणुबाला गुप्ता के पति बृज गुप्ता संयोजक, सुधीर यादव, दीलीप महतो व रामप्रीत यादव सह संयोजक बनाए गए हैं। गुरुग्राम जिले में कमल यादव संयोजक, राघवेंद्र सिंह, रामबीर भाटी व पवन यादव को सह संयोजक बनाया गया है।

फरीदाबाद जिले की आयोजन समिति के लिए भाजपा ने राजकुमार वोहरा को संयोजक, विकास सिंह, सुरेंद्र जांगड़ा व पुनीता झा को सह संयोजक नियुक्त किया है। पानीपत जिले के लिए चंदन मिश्रा संयोजक, डॉ. राजीव, सुनील कंसल व दीपक सिंह सह संयोजक तथा सोनीपत जिले के लिए पार्षद निरंजन संयोजक, राज नारायण सिंह, संजय ठेकेदार, शंकर शास्त्री व अभिमन्यु पटेल सह संयोजक बनाए गए हैं।

मणिपुर के चूड़चंद्रपुर में स्थिति अब भी तनावपूर्ण, स्कूल और दुकानें बंद

मणिपुर (एजेंसी): मणिपुर के चूड़चंद्रपुर जिले में गुरुवार को भी स्थिति तनावपूर्ण थी। इसके मद्देनजर स्कूल और बाजार बंद रहे। पुलिस के अनुसार, दो दिन पहले 'हमार' और 'जोमी' समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। कई लोग घायल हुए थे। इसके बाद चुराचांदपुर में कर्फ्यू लगाया गया है। जिले में स्कूल और बाजार बंद रहे एक अधिकारी के अनुसार, जिले में स्कूल और बाजार बंद रहे। चर्च के लोग और नागरिक संगठन शांति बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं। सुरक्षाबलों ने बुधवार रात फ्लैग मार्च किया जिससे हिंसा की घटना न हो। हमार समुदाय के शख्स की मौत के बाद बिगड़े हालात जिले में मंगलवार रात हुई झड़प में हमार समुदाय के 51 वर्षीय लालरोपुई पाखुआंगते की गोली लगने से मौत हो गई थी। उसे सिएलमेट क्रिश्चियन अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। हमार इनपुई महासचिव रिचर्ड हमार पर रविवार को जोमी समुदाय के लोगों ने हमला किया था।कई विस्थापितों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गय इससे हिंसा भड़क उठी थी और अगले दिन कर्फ्यू लगा दिया गया। इस बीच, राहत शिविरों में रह रहे कुकी

समुदाय के कई विस्थापितों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। चूड़चंद्रपुर शहर में मुख्य रूप से जोमी समुदाय के लोग रहते हैं, जबकि कुछ इलाकों में हमार और कुकी समुदाय के लोग भी बसे हुए हैं। छात्र संगठन द्वारा बुधवार को जिले में बंद का आह्वान किए जाने के कुछ घंटों बाद कई विधायकों

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में बृहस्पतिवार को भी हालात के तनावपूर्ण रहने के मद्देनजर स्कूल और बाजार बंद रहे। पुलिस के अनुसार दो दिन पहले हमार और जोमी समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। चुराचांदपुर में कर्फ्यू लगाया गया है। एक अधिकारी के अनुसार जिले में स्कूल और बाजार बंद रहे।

और जनजातीय संगठनों ने शांति की अपील की। समुदायों के बीच शांति का आह्वान किया एक संयुक्त बयान में, चुराचांदपुर जिले में सक्रिय कम से कम 12 कुकी-जोमी और हमार संगठनों ने समुदायों के बीच शांति का आह्वान किया है और स्थिति पर नजर रखने एवं भविष्य में गलतफहमियों को रोकने के लिए एक संयुक्त शांति समिति बनाने पर सहमति जताई है। चुराचांदपुर और फेरजावल जिले के छह विधायकों ने भी शांति और सद्भाव के लिए संयुक्त रूप से एक अपील जारी की तथा प्रशासन से कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। मणिपुर में मई 2023 से मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जारी जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था

मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था और राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था। विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक था।

ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान

जल दिवस विशेष

ललित गर्ग

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है।

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है ह्लग्लेशियर संरक्षणह्व, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है।

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं

में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है।

जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है।

दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। ख्यात पर्यावरणविद अनुपम मिश्र तो ह्यअब भी खरे है तालाबह्न कहते कहते स्वर्गस्थ हो गये। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व जल दिवस की मूल भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारकर हर व्यक्ति, हर दिन जल संरक्षण का यथासंभव प्रयास करे। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। राजा-महाराजाओं तथा सेठ-साहूकारों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में अपने नाम को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इन प्रदेशों के विभिन्न भागों में कलात्मक बावड़ियों, कुओं, तालाबों, झालरों एवं कुंडों का निर्माण करवाया। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से अनुकरणीय हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्त्रोतों को पूजा जाता है। जल की कमी दुनिया के लिए एक उभरती हुई वास्तविकता एवं ज्वलंत समस्या है। चूंकि जलवायु परिवर्तन और जल की कमी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, इसलिए इनमें से किसी एक मुद्दे का मुकाबला करने के तरीके खोजने से दूसरे की बेहतरी में मदद मिलेगी, इसमें ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान हो सकता है।

संपादकीय

मुर्दों पर राजनीति

अमृता आर. पंडित

नागपुर में हुई हिंसा के बाद कुछ इलाकों में कर्फ्यू जारी है और सशस्त्र सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। यह हिंसा औरंगजेब की कब्र हटाने की अफवाह के बाद दो गुटों में हुई झड़प और पत्थरबाजी के बाद भड़की। इस सांप्रदायिक उन्माद भड़क ने का कारण एक फिल्म में संभाजी और औरंगजेब के बीच ऐतिहासिक युद्ध के फिल्मांकन को माना जा रहा है। उस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस का यह कहाना कि फिल्म में सच्चा इतिहास दिखाने के चलते दंगे भड़के ङ्क निहायत गैर जिम्मेदाराना और समुदाय विशेष की भावनाओं को चोट पहुंचाने वाला है। इसे औरंगजेब के प्रति गुस्सा बता कर उन्होंने शांति बहाली की बजाय अपनी पक्षपाती सोच ही उजागर की है। पुलिस की तरफ से दर्ज मामले में सभी ५१ संदिग्ध मुसलमान हैं। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल द्वारा किए गए प्रदर्शन और पुतला जलाए जाने को लेकर राजनीतिक दलों समेत प्रशासन चुप्पी साधे हैं। पुलिस के अनुसार दंगाई कुल्हाड़ी लोहे के सरिए और पत्थर हाथों में लिए हुए थे। उन्होंने पुलिस पर जानलेवा हमला तक किया। पुलिस वाहन फूंके गए महिला पुलिसकर्मियों तक को नहीं बख्शा। मुगल बादशाह को निशाने पर रख कर दक्षिणपंथी विचारधारा वाले राजनीतिक दल ने जनता का ध्यान भटकाने का सिलसिला जारी रखा है। गड़े. मुर्दे उखाड़. कर बजरिए इतिहास वे जानबूझकर महंगाई बेरोजगारी और बुनियादी समस्याओं को गड्ढे में ड़ालने के प्रयास करते हैं जिससे सांप्रदायिक सद्भाव और देश की अखंड़ता को ठेस लगती है। विभाजनकारी बातें और भड़ाकाऊ बयानबाजी पर पाबंदी न लगाई गई तो इसके विपरीत असर समूचे राष्ट्र को भुगतने पड़. सकते हैं। जनता को भी अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए इस भटकाव से तौबा करना सीखना होगा। अराजक तत्वों दंगाइयों और पुलिसकर्मियों पर हिंसक बल प्रयोग करने वाले उपद्रवियों को कतई नहीं छोड़ा जाना चाहिए। मगर इस सबके पीछे की साजिशों का भंड़ाफोड़. करने में भी कोताही नहीं की जानी चाहिए क्योंकि इससे वैश्विक रूप से देश की छवि भी कम धूमिल नहीं होती।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया। समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

तलाक की भेंट चढ़ते 'तेरे मेरे सपने'

प्रियंका सौरभ

आज के दौर में प्रेम विवाह का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही तलाक की दर भी बढ़ती जा रही है। जहाँ प्रेम विवाह को प्रेम, स्वतंत्रता और आपसी समझ का प्रतीक माना जाता था, वहीं तलाक के बढ़ते मामलों ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शादी सिर्फ. दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि उनके सपनों, उम्मीदों और भावनाओं का एक संगम होती है। जब दो लोग प्रेम विवाह करते हैं, तो वे भविष्य के कई सुनहरे सपने बुनते हैं-साथ मिलकर जीने के, खुशियाँ बाँटने के और एक खूबसूरत सफर तय करने के। लेकिन जब यह सफर तलाक की कगार पर पहुँचता है, तो सबसे पहले कुचले जाते हैं 'तेरे मेरे सपने'। शादी से पहले जो जोश, उत्साह और अपनापन होता है, वह धीरे-धीरे कई कारणों से फीका पड़ने लगता है। छोटी-छोटी गलतफहमियाँ, अहंकार की दीवारें और बदलती प्राथमिकताएँ उन सपनों को मिटाने लगती हैं, जिन्हें कभी दोनों ने मिलकर संजोया था।

शादी से पहले एक-दूसरे के लिए जो सपने देखे जाते हैं, वे हकीकत की ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबने लगते हैं। जब सपनों की दिशा अलग-अलग हो जाती है, तो रिश्ते कमजोर पड़ने लगते हैं। प्रेम सम्बंध में अक्सर लोग अपने साथी को एक आदर्श रूप में देखते हैं, लेकिन शादी के बाद जब वास्तविकता सामने आती है, तो असंतोष उत्पन्न हो सकता है। एक सफल विवाह के लिए संवाद बहुत जरूरी होता है। यदि जीवनसाथी एक-दूसरे की बातों को समझने और सुनने में असमर्थ होते हैं, तो रिश्ते में दरार आ सकती है। कई बार शादी के बाद आर्थिक दबाव और ज़िम्मेदारियों को निभाने में कठिनाइयाँ आने लगती हैं, जिससे मतभेद बढ़ सकते हैं। प्रेम विवाह में कई बार परिवार और समाज का विरोध झेलना पड़ता है। यदि दंपति मानसिक रूप से मजबूत नहीं होते, तो यह तनाव उनके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है। यदि किसी एक साथी का व्यवहार संदेहास्पद होता है या अविश्वास उत्पन्न होने लगता है, तो यह तलाक का कारण बन सकता है। शादी के बाद जब दोनों व्यक्तियों की प्राथमिकताएँ बदलने लगती हैं और यदि उनकी सोच मेल नहीं खाती, तो रिश्ते में तनाव आ सकता है। आधुनिक समय में करियर को प्राथमिकता देने से वैवाहिक जीवन पर असर पड़ सकता है। कई बार साथी एक-दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने लगते हैं, जिससे मतभेद बढ़ते हैं। आत्मसम्मान और अहंकार की लड़ाई शुरू हो जाती है। ₹कौन ज्यादा सही है?₹ यह सवाल रिश्ते को भीतर से खोखला करने लगता है और सपने टूटने लगते हैं।

केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि समान विचारधारा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, करियर लक्ष्य और जीवनशैली को ध्यान में रखकर जीवनसाथी का चुनाव करें। हर समस्या पर खुलकर बात करें और अपने साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। शादी से पहले और बाद में एक-दूसरे से व्यावहारिक अपेक्षाएँ रखें और उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। किसी भी रिश्ते की नींव विश्वास होती है। अपने साथी के प्रति निष्ठावान रहें और पारदर्शिता बनाए रखें। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। किसी भी समस्या का समाधान जल्दबाजी में न निकालें, बल्कि धैर्यपूर्वक विचार करें। कभी-कभी परिवार और करीबी दोस्तों से सलाह लेना भी रिश्ते को मजबूत करने में मदद कर सकता है। यदि रिश्ते में समस्याएँ बढ़ रही हैं, तो विवाह विशेषज्ञ या काउंसलर से मार्गदर्शन लेना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। शादी के बाद भी एक-दूसरे के सपनों को समझें और उन्हें साथ मिलकर पूरा करने का प्रयास करें। हर छोटी-बड़ी बात पर चर्चा करें, अपने साथी की भावनाओं को समझें और अपनी बात को सही तरीके से सामने रखें। शादी के बाद ज़िम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सपनों का त्याग कर दिया जाए। एक-दूसरे को सहयोग दें ताकि व्यक्तिगत इच्छाएँ पूरी हो सकें। जब रिश्ते में अहंकार आ जाता है, तो प्रेम कम होने लगता है। इसलिए हर स्थिति में प्रेम को प्राथमिकता दें। अगर लगने लगे कि रिश्ता बोझ बन रहा है, तो कुछ समय साथ बिताएँ, घूमने जाएँ, पुरानी यादों को ताजा करें और रिश्ते को नए सिरे से शुरू करने की कोशिश करें।

प्रेम विवाह में तलाक की बढ़ती दर चिंताजनक है, लेकिन इसे रोका जा सकता है यदि दंपति आपसी समझ, विश्वास और धैर्य बनाए रखें। शादी सिर्फ. प्रेम पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें सम्मान, जिम्मेदारी और परिपक्वता का होना भी जरूरी है। सही सोच और व्यवहार अपनाकर प्रेम विवाह को सफल और खुशहाल बनाया जा सकता है। तलाक सिर्फ. कानूनी अलगाव नहीं होता, यह उन सपनों की मौत भी होती है जो कभी दो लोगों ने मिलकर देखे थे। रिश्तों को बचाने के लिए जरूरी है कि प्रेम, विश्वास और समझदारी को बनाए रखा जाए। क्योंकि अगर 'तेरे मेरे सपने' बिखर गए, तो सिर्फ. दो दिल नहीं टूटेंगे, बल्कि दो ज़िंदगियाँ भी अधूरी रह जाएँगी। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण गलत अपेक्षाएँ, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ. प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल होती है।

शीतला अष्टमी पर विशेषः संक्रामक रोगों से मुक्ति दिलाती है शीतला माता

रमेश सर्राफ धमोरा

शीतला माता स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं और इसी संदर्भ में शीतला माता की पूजा से हमें स्वच्छता की प्रेरणा मिलती है। इनका सैदव से ही बहुत अधिक माहात्म्य रहा है। शीतला-मंदिरों में प्रायः माता शीतला को गर्दभ पर ही आसीन दिखाया गया है। शीतला माता गधे पर सवार होती है और नीम के पत्तोंद की माला का श्रृंगार करती हैं। इस दिन घर में बासी पुआ, पूड़ी, दाल भात और मिठाई का भोग लगाया जाता हैं। शीतला माता को भोग लगाने के बाद घर के सदस्य खुद इसका सेवन करते हैं।

सामान्य तौर पर शीतला माता का पूजन चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है। भगवती शीतला की पूजा का विधान भी विशिष्ट है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए बासी खाना यानी बसौड़ा तैयार किया जाता है। अष्टमी के दिन बासी पदार्थ ही देवी को नैवेद्य के रूप में अर्पित करते हैं और भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में इसे वितरित करते हैं। उत्तर भारत में शीतलाष्टमी का त्योहार बसौड़ा नाम से भी प्रचलित है। मान्यता है कि इस दिन के बाद से बासी खाना नहीं खाना चाहिए। यह ऋतु का अंतिम दिन होता है जब बासी खाना खा सकते हैं।

हमारे देश में विविध पर्व-त्योहारों को मनाने के पीछे वैज्ञानिक सोच व तत्व-दर्शन निहित है। होली के एक सप्ताह बाद मनाये जाने वाले शीतलाष्टमी त्योहार पर शीतला माता का पूजन कर व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि माता के पूजन से चेचक, खसरा जैसे संक्रामक रोगों का मुक्ति मिलती है। चूंकि ऋतु-परिवर्तन के दौरान इस समय संक्रामक रोगों के प्रकोप की काफी आशंका रहती है। इसलिए इन रोगों से बचाव के लिए श्रद्धालु शीतलाष्टमी के दिन माता का विधिपूर्वक पूजन करते हैं जिससे शरीर स्वस्थ बना रहे।

इस व्रत में रसोई की दीवार पर हाथ की पांच अंगुली घी से लगाई जाती है। इस पर रोली और चावल लगाकर देवी माता के गीत गाये जाते हैं। इसके साथ, शीतला स्तोत्र तथा कहानी सुनी जाती है। रात में जोत जलाई जाती है। एक थाली में बासी भोजन रखकर परिवार के सारे सदस्यों का हाथ लगवाकर शीतला माता के मंदिर में चढ़ाते हैं। इनकी उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है।

शीतला माता की महत्ता के विषय में स्कंद पुराण में विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें उल्लेख है कि शीतला देवी का वाहन गर्दभ है। ये हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाड़ू) और नीम के पत्ते धारण किये हैं। इनका प्रतीकात्मक महत्व है। आशय यह है कि चेचक का रोगी व्यग्रता में वस्त्र उतार देता है। सूप से रोगी को हवा की जाती है। झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं। नीम की पत्तियां फोड़ों को सड़ने नहीं देतीं। रोगी को ठंडा जल अच्छा लगता है, अतः कलश का महत्व है। गर्दभ की लीद के लेपन से चेचक के दाग मिट जाते हैं। आमतौर पर शीतला रोग के आक्रमण के समय रोगी दाह (जलन) से निरंतर पीड़ित रहता है। उसे शीतलता की बहुत जरूरत होती है। गर्दभ पिंडी (गधे की लीद) की गंध से फोड़ों का दर्द कम हो जाता है। नीम के पत्तों से फोड़े सड़ते नहीं है और जलघट भी उसके पास रखना अनिवार्य है। इससे शीतलता मिलती है।

स्कंद पुराण में शीतला माता की अर्चना का स्तोत्र है शीतलाष्टक। माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने की थी। यह स्तोत्र शीतला देवी की महिमा का गान कर उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित करता है।

वन्देऽहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बराम्,
मार्जनीकलशोपेतां शूपालंकृतमस्तकाम्।

अर्थात गर्दभ पर विराजमान दिगम्बरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से स्पष्ट है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। हाथ में मार्जनी (झाड़ू) होने का अर्थ है कि हम लोगों को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में चेचक, खसरा, दाह, ज्वर, पीतज्वर, दुर्गधयुक्त फोड़े और नेत्रों के रोग आदि दूर हो जाते हैं। माता के रोगी के लिए यह व्रत बहुत मददगार है।

लोक किंवदंतियों के अनुसार बासौड़ा की पूजा माता शीतला को प्रसन्न करने के लिए की जाती है। कहते हैं कि एक बार किसी गांव में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे तो मां को गांववासियों ने गरिष्ठ भोजन प्रसादस्वरूप चढ़ा दिया। शीतलता की प्रतिमूर्ति मां भवानी का गर्म भोजन से मुंह जल गया तो वे नाराज हो गईं और उन्होंने कोपदृष्टि से संपूर्ण गांव में आग लगा दी। बस केवल एक बुढिया का घर सुरक्षित बचा हुआ था। गांव वालों ने जाकर उस बुढिया से घर न जलने के बारे में पूछा तो बुढिया ने मां शीतला को गरिष्ठ भोजन खिलाने वाली बात कही और कहा कि उन्होंने रात को ही भोजन बनाकर मां को भोग में ठंडा-बासी भोजन खिलाया। जिससे मां ने प्रसन्न होकर बुढिया का घर जलने से बचा लिया। बुढिया की बात सुनकर गांव वालों ने शीतलामाता से क्षमा मांगी और रंगपंचमी के बाद आने वाली सप्तमी के दिन उन्हें बासी भोजन खिलाकर मां का बसौड़ा पूजन किया।

संसार में दो प्रकार के प्राणी होते है। पहला सौर शक्ति प्रधान और दूसरा चान्द्र शक्ति प्रधान। सौर शक्ति के बारे में कहा जाता है कि सौर शक्ति जीव बहुत चंचल, चुलबुले, तत्काल बिगड़ उठने वाले और असहनशील होते हैं जबकि चान्द्र शक्ति प्रधान व्यक्ति

इसके विपरीत होते है। चान्द्र शक्ति प्रधान जीवों में प्रमुख गधा ही माता शीतला का वाहन हो सकता है। यहां गधा संकेत देता है कि चामुण्डा के आक्रमण के समय रोग का अधिक प्रहार सहन करते हुए रोगी को कभी अधीर नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त शीतला रोग में गर्दभी का दूध, गधा लोटने के स्थान की मिट्टी और गधों के संपर्क का वातावरण उपयुक्त समझा जाता है। कहते हैं कि कुम्हार को चामुण्डा का भय नहीं होता है। वहीं ऊंट वाले को कभी पेट का रोग नहीं होता। चामुण्डा शववाहना के अनुसार चामुण्डा का वाहन शव होता है। इसका तात्पर्य यह है कि चामुण्डा से आक्रान्त रोगी को शव की भांति निश्चेष्ट होकर उचित समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

दिल्ली का पहला ऐसा एलिवेटेड कॉरिडोर, जो मेट्रो की 4 लाइन के लिए देगा इंटरचेंज की सुविधा

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में साकेत जी-ब्लाक से लाजपत नगर तक 8.38 किलोमीटर के एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो गई। जल्द ही काम शुरू होगा। हालांकि, गोल्डन लाइन पर साकेत जी-ब्लॉक मेट्रो स्टेशन पर इसका बेस पहले ही तैयार कर लिया गया था। यहीं से लाजपत नगर तक एलिवेटेड लाइन का काम अगले तीन वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। बता दें कि यह पहला मेट्रो कॉरिडोर होगा, जो एक साथ चार लाइन के लिए इंटरचेंज की सुविधा देगा और लाजपत नगर, चिराग दिल्ली व साकेत जी-ब्लॉक को जोड़ेगा।लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक मेट्रो कॉरिडोर पूरी तरह एलिवेटेड होगा। इसमें लाजपत नगर, एंड्रयूज गंज, ग्रेटर कैलाश-एक, चिराग दिल्ली, पुष्पा भवन, साकेत जिला अदालत, पुष्प विहार मेट्रो स्टेशन और 7.298 किमी एलिवेटेड वायाडक्ट 456.06 करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे। वहीं, फेज तीन में बनी स्टेंडर्ड गेज की मजेंटा व पिंक लाइन के कॉरिडोर पर बने प्लेटफार्म की लंबाई करीब 140 मीटर है। इस पर छह कोच की मेट्रो ट्रेनों का परिचालन होता है।

वहीं, लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर के मेट्रो स्टेशनों के प्लेटफार्म की लंबाई 74 मीटर होगी, जो सबसे छोटे होंगे मौजूदा समय में लाजपत नगर वायलेट व पिंक लाइन के साथ इंटरचेंज स्टेशन है। वहीं, इस नए कॉरिडोर के साथ लाजपत नगर एक साथ तीन कॉरिडोर के लिए इंटरचेंज स्टेशन हो जाएगा। वहीं, साकेत जी ब्लॉक गोल्डन लाइन तो चिराग दिल्ली पर मजेंटा लाइन के लिए इंटरचेंज होगा। यानी इस नए कॉरिडोर के तैयार होने पर लोगों को एक साथ पांच कॉरिडोर पर इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी।दक्षिणी दिल्ली में तुगलकाबाद गांव में हाई कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन व एएसआइ (आर्कियालाजिकल सर्वे आफ इंडिया) की टीम पिछले एक सप्ताह से गली-गली मार्किंग कर सर्वे कर रही है। गलियों में मार्किंग करते हुए पिलर गाड़े जा रहे हैं। किले की जमीन पर अतिक्रमण का मामला लंबे समय से चला आ रहा है।कोर्ट ने इस मामले में डेढ़ महीने पहले सर्वे कराने का आदेश दिया था। इसमें अगली सुनवाई 26 मार्च को है। उससे पहले टीम को सर्वे रिपोर्ट जमा करनी है। दरअसल, गांव की करीब आधी जमीन एएसआइ के अधीन है। इस पर निर्माण को अवैध मानते हुए अतिक्रमण हटवाने के लिए एएसआइ ने कोर्ट की शरण ली है। वहीं, गांव के लोगों का दावा है कि दिल्ली सरकार के ही रेवेन्यू रिकार्ड के मुताबिक उनके पुरखे 750 साल से इस गांव में निवास करते आए हैं। मामले में हाई कोर्ट ने डेढ़ माह पहले 1993 की स्थिति बनाए रखने के लिए सर्वे का आदेश दिया था। उसी के अनुपालन में बीते 17 मार्च से गांव में सर्वे कर मार्किंग की जा रही है। हाल ही में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने लोकसभा में भी यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने सरकार से मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए गांववालों की जमीन न छीनने की अपील की थी। मामले में पक्षकार एडवोकेट दिवाकर बिधूड़ी के मुताबिक किले की जमीन पर अतिक्रमण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक पीआइएल दाखिल हुई थी। इसके जवाब में ग्राम जन विकास संगठन के माध्यम से हमने भी कोर्ट का रुख किया। दोनों केस क्लब किए गए।

मानसून की तैयारी में अभी से जुटी दिल्ली सरकार, जलभराव से निपटने के लिए जारी की एसओपी

नई दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार की मानसून के दौरान होने वाले जल भराव को लेकर कड़ी चेतावनी के चलते लोक निर्माण विभाग ने अंडरपास में मानसून पूर्व तैयारी और मानसून आने के दौरान किए जाने वाले कार्यों को लेकर एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) जारी कर दी है। इसके तहत जल भराव रोकने के लिए किए जाने वाले उपाय और मानसून के दौरान व्यवस्था बहाल रखने के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इसका मकसद है कि मानसून के दौरान व्यवस्थाएं कैसे बेहतर रखी जा सकें।पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली के 43 अंडरपास आदि के आसपास सीसीटीवी कैमरे और जल भराव रोकने के लिए इंतजाम किए हैं।इसके तहत अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कि पानी के सभी पंप अच्छी कार्यशील स्थिति में हैं। पंपों, मोटरों और नियंत्रण पैनलों पर नियमित रखरखाव जांच करेंगे। स्वचालित नियंत्रण पैनल का परीक्षण करेंगे कि जिससे समय आने पर वह ठीक रह सकें।एसओपी में कहा गया है कि वर्षा के दौरान दिल्ली में सब-वे पर जल पंपों को स्वचालित रूप से चालू करा जा सके। इसका उद्देश्य जलभराव को रोकना है तथा मानसून के दौरान यातायात का सुचारू रूप से जारी रखना है।यह एसओपी स्वचालित जल पंपों से सुसज्जित दिल्ली के सभी सब-वे पर लागू होती है।अभियंता जल पंपों के परिचालन की निगरानी रखेंगे तथा रखरखाव और समस्या निवारण करेंगे। नियंत्रण कक्ष संचालक वर्षा के आंकड़ों की निगरानी और जल पंपों को स्वचालित रूप से चालू करने के लिए जिम्मेदार होंगे।रखरखाव टीम जल पंपों के नियमित रखरखाव के लिए जिम्मेदार होंगी। वर्षा की तीव्रता का पता लगाने के लिए सब-वे पर वर्षा सेंसर लगाए गए हैं।

पानी कनेक्शन की दरें कम करेगी दिल्ली सरकार, अवैध कनेक्शन पर लगेगा जुमार्ना

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी कनेक्शन लेना सस्ता होगा। सरकार का मानना है कि वर्तमान दरें बहुत अधिक हैं जिससे अवैध कनेक्शन बढ़ रहे हैं। इससे दिल्ली जल बोर्ड को राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसमें सुधार की आवश्यकता है। दरों की समीक्षा कर तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया जाएगा जिससे कि लोगों को वैध कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। जल मंत्री प्रवेश वर्मा की अध्यक्षता में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में भी इसे लेकर चर्चा की गई। इस समय ए, बी, सी श्रेणी के कॉलोनियों में पानी कनेक्शन शुल्क चार हजार रुपये, इंफ्रास्ट्रक्चर शुल्क (200 वर्ग मीटर से बड़े भूखंड) 243 रुपये प्रति वर्ग फुट देना होता है। डी व ई श्रेणी के कॉलोनियों में कनेक्शन शुल्क दो हजार और इंफ्रास्ट्रक्चर शुल्क 182.33 व 121 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से देना पड़ता है। दिल्ली देहात के लोगों को भी देना पड़ता है अधिक शुल्कइसके अतिरिक्त सुरक्षा राशि, विकास शुल्क आदि भी वसूला जाता है। एफ, जी, एच श्रेणी की कॉलोनियों व दिल्ली देहात के क्षेत्र में भी लोगों पानी कनेक्शन लेने की अधिक शुल्क लेना पड़ता है। इससे बचने के लिए लोग जल बोर्ड के कर्मचारियों व अधिकारियों को रिश्वत देकर अवैध कनेक्शन लेते हैं। इस कारण दिल्ली में गैर-राजस्व जल (एनआरडब्ल्यू) 50 प्रतिशत है। इसे कम करने की आवश्यकता है।समर एक्शन प्लान को लेकर अधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जल मंत्री ने पानी कनेक्शनों को कानूनी रूप से मान्य बनाने और उन्हें जनता के लिए अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, वर्तमान जल कनेक्शन की दरें बहुत अधिक हैं, जिससे लोग अवैध कनेक्शनों की ओर बढ़ते हैं। हम इन दरों की समीक्षा करेंगे ताकि अधिक से अधिक लोग कानूनी रूप से कनेक्शन ले सकें। ं आवश्यकता पर बल दिया।

'अधिकारियों की खाल मोटी हो गई है, दौड़ाएंगे तो इनकी चर्बी घटेगी', अफसरों पर जमकर बरसे मंत्री प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में पीडब्लूडी मंत्री और उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा इन दिनों नालियों का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने पत्रकारों को संबोधित किया। दिल्ली के विधायकों और मंत्रियों का फोन अफसरों द्वारा नहीं उठाने के सवाल पर प्रवेश वर्मा अफसरों पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में अधिकारियों की खाल मोटी हो गई है। उनकी चर्बी को हमलोग निकालेंगे। हम भी सड़क पर दौड़ रहे हैं और वे भी सड़क पर दौड़ेंगे। इससे इनकी चर्बी घटेगी। प्रवेश वर्मा ने कहा कि जब इनको नौकरी नहीं मिलती थी, तो ये नौकरी के लिए भागते थे। अब जब इन्हें नौकरी मिल गई है अब ये काम नहीं

करना चाह रहे। आपको तनख्वाह भी पूरी मिल रही है और यह जनता के पैसे से मिल रही है तो जनता का काम करना होगा। जनता हमारे लिए सर्वोपरि है। दिल्ली सिर्फ सामान्य शहर नहीं है, यह देश की राजधानी है। इसको बेहतर करने के लिए काम करना पड़ेगा। लापरवाही पाई गई तो अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्रवाईः वर्मा उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि यमुना जी में गिरने वाला सारा पानी पूरी तरह से ट्रीट होकर ही पहुंचे। मैं स्वयं प्रत्येक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण कर रहा हूं ताकि यह देखा जा सके कि वे अपनी पूरी क्षमता पर कार्य कर रहे हैं या नहीं। उनकी गुणवत्ता की भी बारीकी से जांच की जा रही है, और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शुक्रवार को दिल्ली के वेस्ट विनोद नगर में नाले का निरीक्षण करते हुए मंत्री प्रवेश वर्मा ने अधिकारियों की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की। नाले में गंदगी पाए जाने पर क्षेत्रीय अधिशासी अभियंता रामाशीष को निलंबित कर दिया गया। मंत्री ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि भविष्य में खामियां मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कौन हैं जस्टिस यशवंत वर्मा? दिल्ली के बंगले में नोटों का ढेर देख दंग रह गए थे कर्मचारी, ऐसा रहा करियर

नई दिल्ली। मीडिया की सुर्खियों में आए दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है। दरअसल, हाल ही में उनके दिल्ली स्थित सरकारी बंगले में आग लग गई थी। वहीं, आग की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम को आग बुझाने के दौरान उनके बंगले में भारी मात्रा में कैश दिखा था। बंगले में इतनी मोटी रकम देखकर कर्मचारियों के होश उड़ गए। इसके बाद फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने अपने उच्च अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। वहीं, मामला बड़े अधिकारियों के पास पहुंचा तो हड़कंप मच गया।06/01/1969 को जन्मे

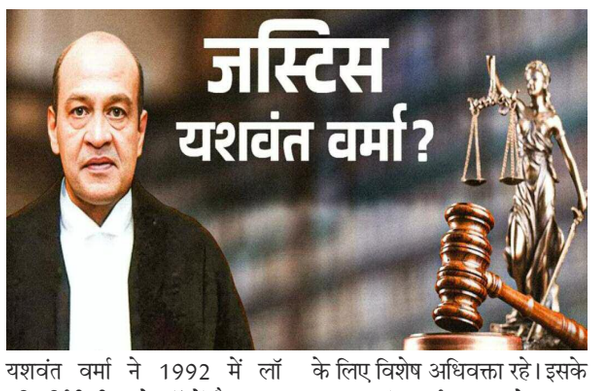

यशवंत वर्मा ने 1992 में लॉ यूनिवर्सिटी रीवा से लॉ में ग्रैजुएशन किया। इसके बाद 08/08/1992 को वकील के रूप में एनरोल हुए। इसके बाद उनके करियर में सफलता का रास्ता खुलता चला गया और फिर वे 2006 तक इलाहाबाद हाईकोर्ट के लिए विशेष अधिवक्ता रहे। इसके बाद यशवंत वर्मा 2012 से 2013 तक यूपी सरकार के लिए मुख्य स्टैंडिंग काउंसिल रहे।यशवंत वर्मा को 13 अक्टूबर 2014 को अतिरिक्त जज बनाया गया। इसके बाद उन्होंने एक फरवरी 2016 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के स्थायी जज के रूप में शपथ ली। फिर 11 अक्टूबर 2021 में दिल्ली हाईकोर्ट में उनका ट्रांसफर हुआ। लेकिन अब फिर से उनका इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला करने की सिफारिश की गई है।यह मामला सुर्खियों में आाने के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को फिर से इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाले तीन वरिष्ठ जजों के कॉलेजियम ने जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की है। जस्टिस यशवंत के दिल्ली के सरकारी बंगले में आग लगने के बाद मामला सुर्खियों में आया।

दिल्ली पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल, 11 इंस्पेक्टर समेत 30 पुलिसकर्मियों के हुए तबादले

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आतंकवाद यूनिट कहे जाने वाले स्पेशल सेल में तैनात 11 इंस्पेक्टर और 19 सब इंस्पेक्टरों के तबादले कर दिए गए। इनमें कई सुपर काप इंस्पेक्टर शामिल हैं, जिन्हें उनके द्वारा किए गए साहसिक व वीरतापूर्ण कामों के लिए आउट आफ टर्न पदोन्नति मिल चुकी है।बताया गया कि सभी लंबे समय से स्पेशल सेल में तैनात थे, जिस कारण अंतरराज्यीय गैंग्सटरों के नेटवर्क को लेकर उन्हें अच्छा खासा अनुभव हो गया था। राजधानी में बीते कई वर्षों में इन्होंने न केवल दिल्ली के कई हाई प्रोफाइल मामलों को सुलझाया बल्कि पड़ोसी राज्यों के भी कई हाई प्रोफाइल मामले को सुलझा कर दिल्ली पुलिस की पेशेवर छवि को ऊंचा करने का काम किया।पहली बार सेल में लंबे समय से जमे जांबाज इंस्पेक्टरों व सब इंस्पेक्टरों के तबादले किए गए। अधिकारियों की मानें तो इससे सेल के कामकाज पर भी असर पड़ सकता है। स्पेशल सेल के जिन 11 इंस्पेक्टरों के तबादले कर दिए गए, उनमें शिव कुमार को दक्षिण-पूर्वी जिला, यशपाल भाटी को ट्रैफिक, सतवीर सिंह को दक्षिण-पश्चिम जिला, मनीष यादव को द्वारका, सोमिल शर्मा को उत्तर-पश्चिम जिला, गगन भाष्कर को ट्रैफिक, कुलदीप सिंह को शाहदरा जिला, विवेकानंद पाठक को मध्य जिला, कृष्ण कुमार को बाहरी जिला, मान सिंह को लाइसेंसिंग यूनिट, चंद्र प्रकाश को उत्तर-पूर्वी जिला भेज दिया गया। सेल में काफी समय से अधिकारियों के बीच आपसी खींचतान की बात सामने आ रही थी। जिससे आशंका जताई जा रही थी कि सेल के जांबाज इंस्पेक्टरों पर गाज गिर सकती है। इसी तरह 19 सब इंस्पेक्टरों को भी अलग-अलग जिले व यूनिटों में भेज दिया गया।सेल के कर्मियों के अलावा भी विभिन्न जिले व यूनिटों में तैनात 79 पुलिसकर्मियों को अलग-अलग जिले व यूनिटों में तबादला कर दिया है। इनमें इंस्पेक्टर से सिपाही रैंक के कर्मी शामिल हैं।

चंदेल ने की वैष्णो माता साइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग को निलंबित करने की मांग

(ओरी सहित 7 यूवक दोस्त शराब पीकर वैष्णो माता दरबार में कैसे पहुंचे हिंदू संगठनों में नाराजगी जताई)

नई दिल्ली / राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय चेयरमैन गुरुजी राजू चंदेल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा की माता वैष्णो देवी के दरबार में घटित घटना से तमाम सनातनी धर्म के लोगों में रोज व्याप्त है माता वैष्णो देवी के दरबार में शराब के नशे में दो युवक जिसमें एक विदेशी बताया गया है दरबार में पहुंचकर हंगामा किया इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद भी साइन बोर्ड के अधिकारी अपनी जिम्मेवारी लेने से कतरा रहे हैं (माता वैष्णो देवी में मुस्लिम दुकानदरो की पर प्रतिबंध लगाएं साइन बोर्ड) श्री चंदेल ने माता माता वैष्णो देवी साइन बोर्ड के सीईओ को इस प्रकरण और घटना का जिम्मेवार फहराते हुए उनके तुरंत इस्तीफे की की मांग की है और कहा कि इतनी बड़ी घटना हो गई एक व्यक्ति 7 व्यक्ति शराब पीकर माता वैष्णो देवी के पवित्र दरबार तक चले जाते हैं और पूरा माता वैष्णो देवी साइन बोर्ड कुंभकरण की तरह सोया हुआ था *ऐसा लगता है कि नेशनल कांफ्रेंस उमर अब्दुल्ला की मौजूदा सरकार माता वैष्णो देवी साइन बोर्ड के सीईओ की मददगार है और उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है *तथा जितने भी माता वैष्णो देवी परिसर में मुस्लिम दुकानदार हैं उनकी दुकान

तुरंत बंद की जाए और उनसे कोई भी श्रद्धालु प्रसाद आदि ना खरीदे इस प्रकार तो कोई भी आतंकवादी दरबार तक जाकर बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है और कोई उनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता लिहाजा इस घोर लापरवाही का सीईओ साहब को जिम्मेवार ठहराते हुए कहां की उन्हें अपनी इस लापरवाही को स्वीकार करना चाहिए और अपने पद से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए अन्यथा सनातन धर्म के लोग उनके खिलाफ आंदोलन छोड़ेंगे श्री चंदेल ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए माता वैष्णो देवी साइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग को तुरंत बर्खास्त करें ओरी और उनके 7 साथी होटल में शराब पीकर दरबार तक कैसे पहुंचे इतनी बड़ी चूक कैसे हुई और साइन बोर्ड के सुरक्षाकर्मी क्या कर रहे थे माता साइन बोर्ड माता वैष्णो देवी साइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग लापरवाही हैं और उनके कार्यकाल बहुत सी गड़बड़ियां चल रही हैं जिसकी जांच होनी चाहिए यहां पर बिद्दू वाले घोड़ी खच्चर वाले दर्शन करने वाले यात्रियों के साथ आर्ब्ध व्यवहार मारपीट करने जैसी शिकायतें लगातार मिलती हैं जिस पर कोई कार्रवाई नहीं होती इसके अलावा यहां साइन बोर्ड द्वारा ज्यादातर प्रसाद का सामान बेचने वाले अल्पसंख्यक मुस्लिम है जिससे यहां प्रसाद खरीदने वाले हिंदू सनातनियों की आस्था को से ठेस पहुंचती है इनकी दुकान तुरंत बंद कराए जाने की हिंदू संगठन मांग करता आ रहा है परंतु माता वैष्णो देवी साइन बोर्ड के सीईओ ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है यहां के काम करने वाले अल्पसंख्यक मुसलमान मांस आदि का प्रयोग करते हैं जिससे यहां के वातावरण में अशुद्धता फैलती है इसकी आज तक कोई जांच नहीं की गई और ना ही कोई कार्रवाई इसीलिए साइन बोर्ड में उनकी कोई आवश्यकता नहीं है उनकी जगह किसी जिम्मेवार और स्वच्छ साफ सुथरी छवि वाले व्यक्ति को माता वैष्णो साइन बोर्ड का सीईओ बनाया जाए

बांग्लादेशी एप के जरिए 14 राज्यों से 8 करोड़ की ठगी का खुलासा,एक गिरफ्तार

गाजियाबाद। मिली जानकारी के अनुसार ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर बांग्लादेशी एप के जरिए 14 राज्यों में करोड़ों रुपए की ठगी का खुलासा करते हुए इस मामले में एक जालसाज को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर विदेशी ठगों को बैंक खाता मुहैया कराता था। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के विदेश से लिंक की जांच की जा रही है। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि अरुण मेहता ने 19 जून 2024 को साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया था। उनका कहना था कि उनके साथ शेयर स्टॉक ट्रेडिंग में निवेश पर मुनाफे के नाम पर 7,96 लाख रुपए की ठगी हुई है। जाल साजों ने उन्हें अवीवा इन्वेस्टर नाम के व्हाट्सएप ऐप ग्रुप में जोड़ा और शेयर ट्रेडिंग के लिए लिंक भेज कर गूगल प्ले स्टोर पर एवीवा एफटीएसई ऐप डाउनलोड कराया। इसके बाद उनसे निवेश के नाम पर मोटी रकम ठग ली गई।एडीसीपी क्राइम ने बताया कि साइबर थाना प्रभारी संतोष तिवारी के नेतृत्व में टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।पकड़ा गया जलसाज थाना मूढापांडे जिला मुरादाबाद के गांव दोलरा का रहने वाला बाबू अली है। एडीसीपी क्राइम ने बताया कि 38 वर्षीय बाबूअली एम ए, पीएचडी है।एडीसीपी क्राइम के मुताबिक पूछताछ में बाबू अली ने बताया कि उनका एक गिरोह है इस गिरोह के सदस्य लोगों को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ते हैं। और शेयर ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का लालच देकर जाल में फसाते हैं। इसके बाद लिंग के जरिए शेयर ट्रेडिंग एप अवीवा एफटीएसई में खाता खुलवाया जाता है। फिर निवेश के नाम पर अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर कराकर ठगी की घटना को अंजाम देते हैं। बाबूअली ने बताया कि उसके अलावा गिरोह में शामिल इकबाल निवासी दिल्ली, अखिलेश निवासी आरा बिहार, और आफताब आलम उर्फ अरशद निवासी मधुबनी बिहार, विदेश में बैठे साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराते हैं। खाता उपलब्ध कराने के बदले में उन्हें मोटा कमीशन मिलता है।

लिफ्ट एक्ट लागू होने के बाद 70 सोसाइटियों को किए नोटिस जारी,31 मार्च तक कराना होगा पंजीकरण

गाजियाबाद। मिली जानकारी के अनुसार लिफ्ट एक्ट लागू होने के बाद पहली बार 70 सोसाइटियों को नोटिस जारी किया है। इन्हें हर हाल में 31 मार्च तक पंजीकरण कराने को कहा गया है। अगर तय समय पर लिफ्ट का पंजीकरण नहीं कराया तो इन पर विलंब शुल्क के साथ कार्रवाई की जाएगी। जिले भर में राजनगर एक्सटेंशन, क्रॉसिंग रिपब्लिक, सिद्धार्थ विहार और ट्रांस हिंदन में लगभग 360 सोसाइटी हैं इनमें लगभग 5 हजार लिफ्ट का संचालन हो रहा है। पिछले साल लागू यूपी एक्ट के तहत इन सभी को 6 महीने के भीतर पंजीकरण करा लेना चाहिए था। लेकिन एक साल बीतने के बाद भी एओए और बिल्डर के मेंटेनेंस विभाग आगे नहीं आ रहे। लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही इन सोसाइटियों को विद्युत सुरक्षा विभाग ने नोटिस जारी किया है। इसमें राज नगर एक्सटेंशन क्रॉसिंग रिपब्लिक और ट्रांस हिंडन की 70 सोसाइटी शामिल हैं।विद्युत सुरक्षा विभाग समिति के प्रतिनिधियों से संपर्क कर उन्हें जागरूक भी कर रहा है। सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा सौरभ कुमार सिंह ने बताया है कि सभी सोसाइटी को 31 मार्च तक लिफ्ट का पंजीकरण करना होगा। फिलहाल 70 सोसाइटीयों को नोटिस जारी किया है।

असम के रास्ते भारत में घुसते थे बांग्लादेशी, फेक डॉक्युमेंट उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़; चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में प्रवेश और बसने में मदद करने वाले एक सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए तीन बांग्लादेशी नागरिकों और उनके भारतीय सहयोगी को गिरफ्तार किया है। यह सिंडिकेट असम के रास्ते बांग्लादेशी नागरिकों की तस्करी करने और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके दिल्ली-एनसीआर में उनके अवैध तरीके से बसने में शामिल था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सरगना बांग्लादेश के जिला सुनामगंज निवासी मोहम्मद इकबाल हुसैन उर्फ फरहान खान, रजीब मियां उर्फ राहुल बिस्वास उर्फ अमित यादव, मोहम्मद मोमिन बादशा उर्फ मोहम्मद मोमिन हुसैन उर्फ जितेन्द्र यादव और ओखला फेज-2 निवासी अग्रसेन कुमार के रूप में हुई है, जो फर्जी तरीके से अवैध बांग्लादेशियों के लिए आधार कार्ड बनाने में शामिल था। पुलिस ने इनके कब्जे से भारतीय पासपोर्ट, आधार, मतदाता, पैन कार्ड, भारतीय नामों के ड्राइविंग लाइसेंस और साथ ही उनके बांग्लादेशी दस्तावेजों सहित भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। क्राइम ब्रांच के उपायुक्त विक्रम सिंह के मुताबिक, इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया और एसीपी नरेश सोलंकी की निगरानी में टीम ने दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिलों के साप्ताहिक बाजारों में सूत्रों को तैनात किया, जहां अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के कपड़े के व्यापार में सक्रिय होने का संदेह था। एएसआई कृष्ण पांडे और सिपाही संजय ने खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए साप्ताहिक बाजारों में परिधान विक्रेता के रूप में काम किया। मोबाइल फोन सहित भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त उन्हें गुप्त जानकारी मिली कि मोहम्मद इकबाल हुसैन दिल्ली में अवैध रूप से रह रहा है और अपने परिधान व्यवसाय को बढ़ाने के लिए बांग्लादेशी नागरिकों की तस्करी कर रहा है। सूचना पर टीम ने कई छापे मारे और आरोपित को नेहरू प्लेस से और रजीब मियां और मोहम्मद मोमिन को बदरपुर बार्डर से गिरफ्तार किया। टीम ने भारतीय पासपोर्ट, आधार, वोटर, पैन कार्ड, भारतीय नामों के ड्राइविंग लाइसेंस के साथ-साथ उनके बांग्लादेशी दस्तावेज और महत्वपूर्ण सबूत वाले मोबाइल फोन सहित भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि आधार कार्ड बनाने के लिए अग्रसेन कुमार अपने अन्य सहयोगियों के साथ इस गिरोह में शामिल है। उन्होंने बताया कि अग्रसेन कुमार और उसके सहयोगियों ने सरकारी सिस्टम में गलत जानकारी जमा करके कई अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को आधार पर नामांकित किया है। उनकी निशानदेही पर छापे मारते हुए आरोपी अग्रसेन को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली पुलिस की लाइब्रेरी ने बदली झुग्गी के युवाओं की जिंदगी, 10 छात्रों को मिली सरकारी नौकरी

पश्चिमी दिल्ली। आज के युवा कल का भविष्य हैं। उर्जा व उत्साह से भरे युवा ही देश को आगे बढ़ाकर विकास और उपलब्धियों की नई ऊंचाई तक ले जाएंगे। लेकिन युवा अवस्था के दौरान बाधाएं भी बहुत सामने आती हैं। कई बार ऐसे मोड़ भी सामने आते हैं जब युवाओं को दिशा नहीं मिल पाती है और वह रास्ते से भटक जाते हैं। ऐसे युवाओं को सही रास्ता दिखाने के लिए पश्चिमी जिले में दस लाइब्रेरी शुरू की गई हैं। इन लाइब्रेरी की मदद से ही झुग्गियों में रहने वाले दस युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। इन युवाओं ने दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और बैंकों जैसे विभिन्न संगठनों में सरकारी नौकरी हासिल की। अपने बीच से ही युवाओं के सरकारी नौकरी पर लग जाने से झुग्गियों में रहने वाले दूसरे युवा भी इनसे प्रेरणा ले रहे हैं। पश्चिमी जिले में चल रही दस लाइब्रेरी में 400 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने यह जानकारी दी। पश्चिमी जिले के नौ थानों में लाइब्रेरी संचालित उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि दिल्ली पुलिस द्वारा वर्ष 2022 में थानों में लाइब्रेरी शुरू करने की पहल की गई थी। यह पहल झुग्गी वाले क्षेत्रों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी। इस कड़ी में अभी तक पश्चिमी जिले के नौ थानों और एक पुलिस चौकी में ऐसी लाइब्रेरी संचालित हैं। इनमें से चार लाइब्रेरी पिछले वर्ष नारायणा, इंद्रपुरी, विकासपुरी और पंजाबी बाग थाने में शुरू की गई। ये लाइब्रेरी स्थानीय बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। उन्हें बुनियादी और प्रतिस्पर्धी पुस्तकें उपलब्ध होती हैं।
पुस्तकों से अधिक, यह अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण है, जो झुग्गी क्षेत्रों में एक बड़ी चिंता का विषय है। लाइब्रेरी में आने के लिए युवाओं

शक्ति थाई लड़कियों से समिट बिल्डिंग में परोसवाता था शराब

फ्लैट पर चलाता था ऑन डिमांड स्पा, 90 दिन की टूरिस्ट वीजा पर भारत आती हैं

लखनऊ। के पॉश इलाके में हाई-प्रोफाइल देह व्यापार का धंधा चल रहा था। इसका अड्डा समिट बिल्डिंग और शक्ति हाइट्स था। आरोपी शक्ति सिंह थाईलैंड की लड़कियों को अपने फ्लैट में रखता था। इसके बाद उन्हें अपने अनप्लग्ड नाइट क्लब में भी काम करवाता था। यहां थाईलैंड की लड़कियां शराब परोसने का काम करती थीं। फ्लैट पर ऑन डिमांड स्पा पार्लर चलाती थी। इसके साथ ही क्लब में हाईप्रोफाइल ग्राहकों को रिझाने के लिए भी थाईलैंड से लड़कियां बुलाई जाती थीं। रेट फिक्स होने पर इनको भेजा जाता था। पुलिस के मुताबिक थाईलैंड की लड़कियां 90 दिन के टूरिस्ट वीजा पर भारत आती हैं। फिर यहां मसाज पार्लर, स्पा और नाइट क्लब में काम करने लगती हैं। वीजा खत्म होने पर एक हफ्ते के लिए वापस थाईलैंड लौट जाती हैं। इन्हीं में से कुछ थाईलैंड की लड़कियों को शक्ति सिंह भी अपने यहां बुलाता था। इसका खुलासा उसके शक्ति हाइट अपार्टमेंट में पकड़ी गईं 10 थाई लड़कियों ने किया है।लखनऊ में हाई-प्रोफाइल दलालों का गैंग एक्टिव पुलिस का कहना है कि इन लड़कियों को लखनऊ लाने के लिए हाई-प्रोफाइल दलालों का नेटवर्क एक्टिव है। जो इन्हें घूमने-फिरने का लालच देकर धंधे में शामिल करता है। शक्ति हाइट्स में छापेमारी के दौरान जिन लड़कियों को पकड़ा गया है, पुलिस उनके रजिस्टर और दस्तावेजों की जांच कर रही है। इसमें यह पता लगाया जा रहा है कि ये लड़कियां कितने समय से लखनऊ में रह रही थीं। शक्ति के रेंट एग्रीमेंट की जांच भी की जा रही है, ताकि पता चल सके कि शक्ति सिंह को इसकी जानकारी थी या नहीं।शक्ति सिंह फैजाबाद का रहने वाला है। वह प्राइवेट यूनिवर्सिटी से MBA किया। इसके बाद रियल एस्टेट का काम करने लगा। दिसंबर 2022 में 'श्री साईं रियल इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड' नाम से कंपनी बनाया। इसके निदेशक साधना सिंह और शक्ति सिंह हैं। इस कंपनी के निवेशकों में कई रसूखदारों के भी नाम सामने आए हैं। शक्ति सिंह मल्हौर रोड पर बिना नक्शा पास कराए चार अपार्टमेंट बनाया। इसमें थाईलैंड की लड़कियों को रखता था। यहां अवैध गतिविधियां करवाई जाती थी। शक्ति सिंह के खिलाफ अवैध निर्माण और बिजली चोरी के भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस का दावा है कि शक्ति सिंह के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। 2018 में महानगर थाने में 120B, 354A और 506 की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। शक्ति हाइट्स अपार्टमेंट में मिनी क्लब जैसा माहौल बनाया। रात में फ्लैट से म्यूजिक की तेज आवाज आती। कुछ गेस्ट डेली आते थे। फ्लैट के अंदर से महंगे ब्रांड की विदेशी शराब की बोतलें भी बरामद हुईं।कई बार पड़ोसियों को शक हुआ, लेकिन शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। जब मामला खुला, तो कई रहस्य सामने आ गए।शक्ति सिंह का सोशल मीडिया से बचाव जब पुलिस ने शक्ति सिंह को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया, तो उसने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए खुद को बेगुनाह बताया। उसने दावा किया- सभी फ्लैट रेंट पर दिए थे। किसी भी अनैतिक कार्य की जानकारी नहीं है। इधर पुलिस का कहना है कि शक्ति सिंह जो बयान दे रहा है अब तक उससे जुड़े कोई ठोस दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाया है। शक्ति सिंह के राजनीतिक और प्रशासनिक महकमे में अच्छे कनेक्शन हैं। उसके क्लब और अपार्टमेंट में राजनीतिक रसूखदारों का पैसा लगा है। यही वजह है कि अब तक उसे पुलिस खुलकर गिरफ्तार नहीं कर पा रही है। हालांकि पुलिस की जांच इस समय शक्ति सिंह और उसके सफेदपोश संरक्षकों पर केंद्रित है।

24वां श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का भव्य आयोजन आज,श्याम भक्तों का होगा कुंभ

सुलतानपुर/ भव्य खबर। श्री श्याम सत्संग मंडल सुलतानपुर के तत्वाधान में 24वां श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव आज दुल्हन मैरिज लॉन में धूमधाम से आयोजित होगा। यह महोत्सव श्याम प्रेमियों के लिए विशेष महत्व रखता है और पूरे वर्ष श्याम भक्तों को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है। इसे श्याम भक्तों का कुंभ भी कहा जाता है। महोत्सव आज सायं 6 बजे से प्रारंभ होगा।इस वर्ष के महोत्सव में भजनों की प्रस्तुति के लिए कोलकाता से विकास झा जी और फरीदाबाद से गौ सेविका राशि पाटनी जी आ रहे हैं। आयोजक सदस्य प्रवीण डिरोलिया ने बताया कि बाबा का भव्य दरबार विशेष रूप से बाहर के कलाकारों द्वारा सजाया जा रहा है और बाबा का अलौकिक श्रृंगार कोलकाता से मंगाए गए विशेष फूलों से किया जाएगा, जो इस महोत्सव का आकर्षण केंद्र बनेगा। महोत्सव में छप्पन भोग और फूलों की होली का आयोजन भी किया जाएगा। पिछले महोत्सव में तोरण द्वार पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था, इस बार सेल्फी प्वाइंट पर गौ माता की पूजा करते हुए लोग सुंदर चित्र ले सकेंगे। इसके अतिरिक्त, महोत्सव में और भी कई आकर्षण देखने को मिलेंगे, जैसे बाबा के नाम की मेंहदी, जो श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष अनुभव होगा। इस महोत्सव के मंच सहयोगी राजवीर श्रीवास्तव होंगे, जो आयोजन को और भी भव्य बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।आयोजक मंडल ने सभी श्याम भक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार और मित्रों के साथ इस महोत्सव में सम्मिलित होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

डॉक्टर अजय प्रताप सिंह बने बल्दीराय सीएचसी प्रभारी, संभाला कार्यभार

सुलतानपुर/ भव्य खबर। बल्दीराय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में हुए असामयिक परिवर्तन के बाद, अब डॉक्टर अजय प्रताप सिंह ने सीएचसी प्रभारी का कार्यभार संभाल लिया है। बीते सोमवार को सीएचसी प्रभारी डॉक्टर रमेश यादव के निधन के बाद यह पद रिक्त था, जिससे केंद्र की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही थी।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ओपी चौधरी ने डॉक्टर अजय को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने तुरंत कार्यभार ग्रहण कर लिया। अपने नए दायित्व को स्वीकार करते हुए डॉक्टर अजय ने कहा कि वे केंद्र पर आने वाले प्रत्येक मरीज को सरकार की सभी सुविधाएं और उच्चतम स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराएंगे।

मायके बोलकर गई चार बच्चों की मां लापता, बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल

सुलतानपुर/ भव्य खबर। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के लोटिया ग्रामसभा में एक महिला, जो मायके जाने के लिए घर से निकली थी, लापता हो गई है। महिला के चार छोटे-छोटे बच्चे हैं, जो अपनी मां के बिना परेशान और रो-रो कर बुरा हाल किए हुए हैं। परिजनों ने गुमशुदगी की तहरीर देकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।रामशंकर, जो लोटिया के निवासी हैं, ने बताया कि उनकी भाभी संजू (पत्नी राम प्रकाश), उम्र करीब 35 वर्ष, 16 मार्च 2025 को सुबह करीब 10 बजे मायके जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह मायके नहीं पहुंची। काफी समय तक परिवार वालों ने उसकी खोजबीन की, लेकिन कहीं भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। महिला का पति, रामप्रकाश, प्रदेश में मजदूरी का काम करता है और इस कारण वह भी घर पर नहीं था। महिला के लापता होने की सूचना पाकर रामप्रकाश घर लौट आए, और परिजन किसी अनहोनी की आशंका भी जताने लगे हैं।पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस महिला की खोजबीन में लगी हुई है। इस मामले में किसी को यदि महिला का कोई पता चले तो कृपया 8009486732 नंबर पर संपर्क कर सूचना देने की अपील की गई है।

योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

शिक्षा का हुआ कायाकल्प, सुविधा नहीं, मिशन लेकर आगे बढ़ी सीएम योगी की सरकार

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने अपने 8 साल के कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव किए हैं। 2017 में सत्ता संभालने के बाद से प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक को गुणवत्तापरक बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए। स्कूलों की बदहाल स्थिति को सुधारने से लेकर नए विश्वविद्यालयों की स्थापना तक, सरकार ने शिक्षा को सशक्त और समावेशी बनाने का संकल्प पूरा किया। योगी सरकार के 8 सालों में शिक्षा सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि एक मिशन बन गई है। ऑपरेशन कायाकल्प से लेकर विश्वविद्यालयों की स्थापना तक, हर कदम बच्चों और युवाओं को वैश्विक मंच पर तैयार करने की दिशा में उठाया गया है। यह बदलाव न केवल शिक्षा का स्तर ऊंचा कर रहा है, बल्कि उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है।

ऑपरेशन कायाकल्प से मिली स्कूलों को नई पहचान

2017 में बच्चों के पास यूनिफॉर्म, जूते और बैग तक नहीं थे। योगी सरकार ने ऑपरेशन कायाकल्प के तहत बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों का कायाकल्प किया। उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा गया। इसका नतीजा सबके सामने है। आज 1.91 करोड़ बच्चों को दो यूनिफॉर्म, स्वेटर, जूते, बैग, साथ ही स्कूलों में स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, टॉयलेट और पेयजल की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। हर साल अभिभावकों के खातों में सीधे धनराशि भेजी जा रही है।

शिक्षा का किया गया आधुनिकीकरण

पीएम श्री योजना के तहत 1,565 विद्यालयों में आधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। 6,481 स्कूलों को नए सिरे से बनाया जा रहा है, ताकि बच्चों को बेहतर माहौल मिले। 57 कंपोजिट विद्यालयों के लिए बजट स्वीकृत किया गया है, जो प्री-प्राइमरी से 12वीं तक एक ही कैंपस में शिक्षा देंगे।

बालिकाओं और ग्रामीण क्षेत्रों पर फोकस

कस्तूरबा गांधी विद्यालय के तहत गरीब बालिकाओं के लिए 8वीं तक सीमित इन स्कूलों को 12वीं तक विस्तारित किया गया। वंटागिया गांवों में शिक्षा के प्रसार के लिए 22 प्राथमिक और 11 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण, ग्रामीण बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ा गया। अटल आवासीय विद्यालयों के अंतर्गत इंटीग्रेटेड कैंपस के साथ बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर प्रदान किया गया।

उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण में क्रांति

सहारनपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मीरजापुर, देवीपाटन और मुरादाबाद में नए विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई, जिसमें से तीन शुरू हो चुके हैं। 150 आईटीआई में एआई, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और रोबोटिक्स जैसे न्यू एज कोर्स शुरू किये गये। साथ ही 62 नए आईटीआई का भी निर्माण किया गया। यही नहीं, संस्कृत शिक्षा को भी बढ़ावा दिया गया, जिसके अंतर्गत पहली बार पूर्वा से आचार्य स्तर तक छात्रवृत्ति शुरू की गयी, विश्वविद्यालयों को मान्यता प्रदान की गयी।

युवाओं का सशक्तिकरण, बांटे स्मार्टफोन

डिजिटल क्रांति के तहत योगी सरकार ने 2 करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट देने का लक्ष्य रखा और 50 लाख को वितरित भी कर दिया। युवाओं में अनुशासन और देशभक्ति के लिए अकादमी और स्कूलों का निर्माण तेज गति से किया जा रहा है। ब्लॉक और न्याय पंचायत स्तर तक कंपोजिट स्कूलों का विस्तार किया गया है और एक नया एजुकेशन हब बनाने की तैयारी है।

संक्षिप्त डायरी

गाजीपुर में घर से बुलाकर दो युवकों की हत्या

गाजीपुर। में दो युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दोनों का शव गांव के बाहर एक बगीचे में मिला। दोनों शवों के बीच की दूरी 5 फीट थी। एक को माथे पर तो दूसरे की कनपटी पर गोली मारी गई थी। पुलिस पोस्टमॉर्टम के लिए शव को जब एम्बुलेंस से भेजने लगी तो ग्रामीणों ने रोक लिया। परिजन और ग्रामीण डीएम आर्यका अखौरी को बुलाने की मांग पर अड़ गए। इस बात पर पुलिस और ग्रामीणों में काफी देर तक नोकझोंक हुई। पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा बुझाकर शांत किया। छानबीन में मौके से तीन खोखे मिले हैं। जांच में सामने आया है कि दो बाइकों से लड़के गांव आए थे। वे दोनों युवकों को अपने साथ ले गए। बगीचे में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल वारदात का कारण नहीं पता चल सका है।मामला सैदपुर के उचौरी गांव का है। दोनों युवकों की पहचान अमन चौहान (20) और अनुराग सिंह (22) उर्फ धोनी के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि अमन और अनुराग सिंह शुक्रवार की सुबह गांव में ही थे। सुबह दो बाइकों से दो युवक पहुंचे और अमन और अनुराग को अपने साथ लेकर चले गए। कुछ देर बाद लोगों ने मलदहिया बगीचे में कई राउंड गोली चलने की आवाज सुनी। फायरिंग की आवाज सुनकर लोग बगीचे की तरफ दौड़े तो वहां देखा कि अमन और अनुराग का खून से लथपथ शव पड़ा है। दोनों को बाइक से लाने वाले युवक फरार हो चुके थे। तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सीसीटीवी में एक बाइक पर तीन लोग जाते दिखेगांव के युवक ने बताया, उसकी दुकान में लगे सीसीटीवी में एक बाइक पर अमन और अनुराग के साथ एक युवक जाते हुए दिखा था। थोड़ी दूर जाने के बाद एक बाइक पर दो युवक और पीछे जाते हुए।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया, दोनों युवक मौके से ऊंचौरी बाजार की तरफ मोटरसाइकिल से भाग गए। हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। सूचना मिलते ही सीओ सैदपुर अनिल कुमार, खानपुर और सैदपुर पुलिस पहुंच गई। हत्या की वारदात के बाद पुलिस मौके पर जांच कर रही है।हत्याकांड के खुलासे के लिए चार टीमें लगीं रढ डॉक्टर ईरज राजा ने बताया, दोनों मृतक जान पहचान के लड़कों से मिलने आए थे। इसी दौरान यह घटना हुई। उन्हीं लड़कों ने उनकी हत्या की है। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं।कॉल डिटेल समेत कई चीजें हम जुटा चुके हैं। कुछ लोगों को चिह्नित किया गया है। इस हत्याकांड के खुलासे के लिए चार टीमें लगा दी गई हैं। क्राइम सीन को सिक्योर कर दिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद क्लियर होगा की कितनी गोलियां लगी हैं।

मेरठ सौरभ हत्याकांड, मुस्कान-साहिल को पुलिस शिमला लेकर जाएगी

मेरठ। यूपी के मेरठ में मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ हत्याकांड में अब नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि वारदात के बाद जो मां आरोपी मुस्कान को थाने लेकर गई थी और उसे फांसी देने की मांग कर रही थी, वह मुस्कान की सौतेली मां है। उसके पिता ने मुस्कान की मां की मौत के बाद उसकी मौसी कविता रस्तोगी से शादी की है। आरोपी साहिल की मां की मौत करीब 16 साल पहले हो चुकी है। उसके पिता नीरज ने भी दूसरी शादी कर ली है। सौतेली मां से साहिल की नहीं बनती थी। इसलिए वह नानी के साथ रहता था। उसकी सौतेली मां नोएडा में रहती है। सौरभ के 4 टुकड़े करने के बाद मुस्कान और साहिल ने 15 दिन के लिए मेरठ से टैक्सी बुक की। इससे दोनों मेरठ से शिमला, मनाली और कसोल गए। पुलिस दोनों आरोपियों और टैक्सी चालक को लेकर जल्द उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जाएगी। जहां-जहां साहिल और मुस्कान रुके थे, वहां जांच करेगी और लोगों से पूछताछ करेगी।मुस्कान ने बुजुर्ग को पिता बनाकर स्टोर से नींद की दवा खरीदी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया- मुस्कान ने जहां से चाकू, ड्रम और दवाएं खरीदी थीं, गुरुवार को वहां-वहां पर पुलिस गई और दुकानदारों से पूछताछ की। मेडिकल स्टोर संचालक अमित जोशी के मुताबिक, मुस्कान दुकान पर एक बुजुर्ग को लेकर आई थी।

शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं वार्षिक अधिवेशन हुआ संपन्न

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील अंतर्गत बुधवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय करमैनी प्रेम वलिया के प्रांगण में उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ जनपद कुशीनगर का शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं वार्षिक अधिवेशन आयोजक मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में तथा मंडल अध्यक्ष ज्ञानेश्वर पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ मुख्य अतिथि कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष संजय मणि त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि अतुल शुक्ला प्रांतीय संयुक्त मंत्री, राकेश श्रीवास्तव प्रांतीय सदस्य एवं विजय शंकर त्रिपाठी मंडलीय महामंत्री शिक्षक संघ रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक संघ ने कहा कि यही समय है कि हम सब संगठित हों और अपने आवाज को बुलंद कर संगठन एवं एकता के बल पर अपनी आवाज को ऊपर तक पहुंचाएं क्योंकि संगठन एवं एकता के ही बल पर शिक्षक हित सुरक्षित रहेगा ' संगठन में ऐसे ही लोगों को आगे आने तथा अपनी आवाज को बुलंद करने की आवश्यकता है। अध्यक्षता कर रहे मंडलाध्यक्ष शिक्षक संघ ज्ञानेश्वर पांडेय ने कहा कि संगठन में सभी साथी निश्चित रूप से पहरेदार के रूप में आपके साथ खड़े रहेंगे और कहीं से आप लोगों का शोषण नहीं होने पाएगा। चुनाव पर्यवेक्षक नीता यादव विनय पाठक शिक्षक संघ की देख-रेख में निम्न पदाधिकारी निर्वाचित हुए जो निम्न है मनोज कुमार सिंह जिलाध्यक्ष शिक्षक संघ, रामप्रसाद यादव, ज्ञान प्रकाश सिंह, बिंदु सिंह ,कमलेश प्रसाद उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह महामंत्री,संजय गुप्ता मंत्री, दिनेश यादव ,ध्रुवन्नारायण सिंह संयुक्त मंत्री दिनेश यादव ऑडिटर, ज्ञान सिंह लेखाकार रहे। अजेय कुशवाहा वरिष्ठ एआरपी को फूल मालाओं से स्वागत किया गया। संचालन प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में अशोक कुमार पांडेय, विजय शंकर त्रिपाठी, अतुल कुमार शुक्ल ,राजीव मिश्र ,संजय राय डॉ वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, राजेश कुमार शुक्ला, वीरेंद्र मिश्र, हेमा त्रिपाठी सुनीता यादव, नागेंद्र त्रिपाठी , राज किशोर सिंह ,सुनील कुमार गुप्त, दुर्गेश सिंह नन्हे शाह, वकील सिंह, धर्मेंद्र गोड,अरुण वर्मा, प्रतिभा सिंह, सपना शर्मा, बिंदु सिंह, विभा गुप्ता, सुनीता सिंह आदि शिक्षक मौजूद रहे।

हेंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड द्वारा आयोजित हस्त शिल्प प्रदर्शनी में हो रही भारी भीड़

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं कुशीनगर हेंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड द्वारा बिरला धर्मशाला परिसर में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी एवं बिक्री केंद्र का अवलोकन हस्त शिल्प प्रसंवर्द्धन अधिकारी शेर सिंह ने किया। गुरुवार को हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए हस्त शिल्प प्रसंवर्द्धन अधिकारी शेर सिंह ने प्रदर्शनी में हाथ से बने हुए कोशिया के सामान, वीड

काफ्ट, वुड कारकिंग, ज्वेलरी, एव टेराकोटा को देखा। हस्त शिल्प प्रदर्शनी में ग्रामीण प्रतिभाओं ने सृजनशीलता के उम्दा नमूने पेश किए हैं। जिसकी उन्होंने सराहना करते हुए कि कहा कि प्रदर्शनी से स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादकों को जहां मंच मिल रहा है साथ ही उन्हें रोजगार के अवसर के साथ हस्त कला के क्षेत्र में पहचान मिल रही है। सरकार हस्त शिल्प को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है। प्रदर्शनी में कुल 20 स्टॉल पर हस्तशिल्प कलाकृतियाँ प्रदर्शित की जा रही हैं। इनमें क्रोशिया कला, लकड़ी की नक्काशी, ज्वेलरी, ग्लास विंड क्राफ्ट, टेराकोटा, और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद शामिल हैं।

निदेशक देशदीपक दुबे ने श्री सिंह का स्वागत किया और जानकारियां दी। प्रदर्शनी में युवा और ग्राहक उमड़ रहे है। इस मौके पर अवधेश प्रसाद, कुन्दन सिंह देश, प्रतिभा, सीमा, निशा, तवरेज आदि लोग रहे।

राबड़ी बोलीं: नीतीश का दिमाग खराब, बेटे को सी.एम बनाएं

पटना। विधानसभा में शुक्रवार को नीतीश के राष्ट्रगान के अपमान करने के मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ। सदन के अंदर और बाहर विपक्ष ने पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। कार्यवाही शुरू होने से पहले सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर पोर्टिको में RJD के विधायकों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी हाथ में बैनर लिए खड़े दिखे। PM के लाडले उट ने राष्ट्रगान का अपमान किया नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा- 'बिहार के लिए कल काल दिवस था। PM मोदी के लाडले CM ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। लाडले CM पर PM क्या कहेंगे। भारत माता की जय करने वाले बीजेपी के दोनों डिप्टी CM गायब हैं।' 'कल हम सब का सिर झुक गया है। इंडिया की राजनीति में पहली ऐसी घटना है,जहां राष्ट्रगान का अपमान हुआ है। PM मोदी ने एक ट्वीट तक नहीं किए। CM नीतीश कुमार को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान को अपमान करने वाले को तीन साल की सजा होती है।' विधान परिषद में भी राष्ट्रगान के अपमान पर हंगामा हुआ। कार्यवाही के दौरान राबड़ी देवी का माइक बंद हो गया। उन्होंने माइक चालू कराने की मांग की। राबड़ी ने कहा- 'अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का

दिमाग खराब है, तो उनको गद्दी छोड़नी चाहिए और अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। बेटा नहीं बनता तो किसी दूसरे अपने को कुर्सी सौंप दें।'विधान परिषद में विपक्ष की नारेबाजी के बीच विधान परिषद सभापति ने सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी है।विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में आए। स्पीकर विधायकों को शांत रहने के लिए कहते रहें लेकिन विपक्षी विधायक रिपोर्टिंग टेबल उलटने की कोशिश करने लगे। सदन में भारी बवाल के बीच 8 मिनट के अंदर सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। विपक्षी की नारेबाजी पर BJP विधायक पवन जायसवाल ने कहा- 'CM ने राष्ट्रगान का अपमान नहीं किया है। उनको कुछ याद आ गया होगा। राष्ट्रगान ध्यान में नहीं होगा तो दीपक कुमार को टोक दिया। फिर से वो राष्ट्र गान की मुद्रा में आ गए। विपक्ष का मानसिक संतुलन खराब हो गया है। उनका मेडिकल बुलेटिन जारी करना चाहिए।' हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा- पहले अपने बेटे से माफी मंगवाएं। विपक्ष के नेता को राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान में अंतर पता नहीं है। पूरा परिवार करप्शन में डूबा है। पहले उनके बेटे माफी मांगे।'मंत्री अशोक चौधरी ने कहा- 'नीतीश कुमार से बड़ा देशभक्त देश में दूसरा नहीं है। बिहारी स्वाभिमान के लिए उन्होंने बिहार दिवस मनाना शुरू किया, इसे मुद्दा बनाया जा रहा, कभी कभार ऐसी बातें हो जाती हैं। राष्ट्रगान रुकवाकर स्टेडियम घूमने निकले थे मुख्यमंत्री दरअसल, कल गुरुवार को सीएम पाटलिपुत्र खेल परिसर में सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

बिहार दिवस

इतिहास, महत्व और उत्सव

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। आज बिहार की स्थापना के 113 साल पूरे हो गए। बिहार दिवस के आयोजन को लेकर राजधानी का ऐतिहासिक गांधी मैदान पूरी तरह सजकर तैयार है। इस वर्ष बिहार दिवस का आयोजन व्यापक और भव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 10 गुणा अधिक क्षेत्रफल यानी 1 लाख 25 हजार वर्ग फीट में इसका आयोजन किया जा रहा है। थीम 'उन्नत बिहार-विकसित बिहार' रखा गया है। यह भव्य महोत्सव 26 मार्च तक चलेगा, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। शिक्षा विभाग इसका नोडल विभाग है और उसके स्तर से इस महोत्सव के लिए व्यापक तैयारी की गई है। यह आयोजन आम जनता के लिए पूरी तरह से मुफ्त रहेगा। सरकारी योजनाओं की जानकारी और प्रदर्शनी के लिए विभिन्न विभागों की तरफ से स्टॉल भी लगाए गए हैं। 22 से 24 मार्च तक विभिन्न स्टॉलों पर छात्र-छात्राओं की तरफ से बनाए गए मॉडल, चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कृत चित्रों की प्रदर्शनी तथा शिक्षकों के निर्मित शिक्षण लर्निंग सामग्री (टीएलएम) का प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में स्थानीय जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया गया है। ताकि अधिक से अधिक लोग शिक्षा प्रणाली में हो रहे नवाचारों को समझ सकें। स्वास्थ्य विभाग 22 और 23 मार्च को 15 मुफ्त हेल्थ स्टॉल लगाएगा। इन स्टॉलों पर शुगर टेस्ट, विशेषज्ञ परामर्श, एचपीवी वैक्सीन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा, 12 बीमारियों से बचाव हेतु टीकाकरण काउंटर भी स्थापित किए जाएंगे। इस पूरे आयोजन की देखरेख सिविल सर्जन और 11 सीनियर डॉक्टरों की टीम द्वारा की जाएगी। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए महाबोधि मंदिर, नालंदा विश्वविद्यालय, विश्व शांति स्तूप, तख्त श्रीहरिमंदिर पटना साहिब जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की थ्री-डी प्रतिकृतियां बनाई जाएंगी। इसका वर्चुअल माध्यम से सामान्य लोग भी आनंद ले सकेंगे। साथ ही एक पर्यटन सूचना केंद्र भी स्थापित होगा, जहां निवेश और पर्यटन नीति की जानकारी दी जाएगी। इस आयोजन में हथकरघा, हस्तशिल्प, चमड़ा, जूट और लाह उद्योगों से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी भी होगी। यह पहल स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और निवेशकों को जोड़कर बिहार के पारंपरिक उद्योगों के विकास और विस्तार को प्रोत्साहित करने का कार्य करेगी। राज्य सरकार की प्रमुख विकास योजनाओं, उपलब्धियों, आइकॉनिक भवनों और पर्यटक स्थलों की जानकारी प्रदान करने के लिए सूचना विभाग की ओर से विशेष स्टैंडीज लगाए गए हैं। इसके साथ ही, लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभाग की तरफ से नुक्कड़ नाटकों का भी आयोजन किया जाएगा। समारोह में आने वालों के लिए सेल्फी पॉइंट की भी व्यवस्था की गई है, जिसमें मरीन ड्राइव पर विशेष रूप से एक आकर्षक सेल्फी पॉइंट बनाया गया है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग गांधी मैदान में एक विशेष स्टॉल लगाएगा, जहां विभाग की उपलब्धियों, कार्यप्रणाली और भविष्य की योजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ललित कला भवन में दिव्यांग बच्चों के लिए पेंटिंग कार्यशाला आयोजित होगी, जिसमें पटना के विभिन्न विद्यालयों के छात्र भाग लेंगे। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल, गांधी मैदान, रवींद्र भवन और प्रेमचंद रंगशाला में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रेमचंद रंगशाला में विशेष रूप से महिला थीम पर आधारित नाट्य उत्सव होगा, जिसमें सभी पात्र महिलाएं होंगी। इसके साथ ही, नुक्कड़ नाटकों का भी मंचन किया जाएगा। बिहार दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पटना के गांधी मैदान में मॉर्निंग और इवनिंग वॉक पर रोक लगा दी गई है। इसके अतिरिक्त, अन्य प्रयोजनों के लिए भी 24 मार्च तक प्रतिबंध लागू रहेगा। बिहार के अद्भुत हस्तशिल्प, हथकरघा और अन्य परंपरागत उत्पादों की झलक भी देखने को मिलेगी। स्टॉलों में हथकरघा और वस्त्र, बुनकरी, खादी के साथ हस्तशिल्प एवं चित्रकला जैसे मधुबनी पेंटिंग, मंजूषा पेंटिंग, टिकुली पेंटिंग, मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही हस्तनिर्मित शिल्प जैसे सिक्की कला, पेपर कढ़ाई, पेपर माचे, टेरा कोटा, के साथ अन्य चीजें प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें सूखे घास से बनी सुंदर और आकर्षक कलाकृतियां, सुजनी कढ़ाई जिसमें सूती कपड़ों पर बारीक हाथ की कढ़ाई से बनी पारंपरिक कलाकृति, पेपर माचे जिसके अंतर्गत हाथों से बने कागज की लुगदी से निर्मित आकर्षक कलात्मक उत्पाद के साथ ही मिट्टी से बने सजावटी और उपयोगी उत्पाद, जो बिहार की समृद्ध कुम्हार परंपरा को दर्शाते हैं, प्रदर्शित होंगी। बांस और बेंत शिल्प पर्यावरण अनुकूल और मजबूत हस्तशिल्प, जिसमें टोकरियां, फर्नीचर और सजावटी वस्तुएं शामिल हैं, इनका भी प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा हथकरघा और वस्त्र में विविंग (बुनकरी) से बिहार के पारंपरिक हथकरघा वस्त्र जैसे भागलपुरी सिल्क, तसर सिल्क, कोसा सिल्क और खूबसूरत सूती वस्त्रों का अनूठा संग्रह दर्शाया जाएगा। खादी वस्त्रों की बेहतरीन श्रृंखला का प्रदर्शन होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंख्ला में अधिकारियों की भी प्रस्तुति भी खास रहेगी। बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड के डीजी आलोक राज का गायन 23 मार्च को श्रीकृष्ण मेमोरियाल हॉल में शाम 6 बजे से होगा। जबकि, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन विजयलक्ष्मी का भरतनाट्यम 22 मार्च को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में शाम 7 बजे और आईएएस नीलम चौधरी का कथक 23 मार्च को शाम 7 बजे से आयोजित होगा।

इतिहास, महत्व और उत्सव

बिहार दिवस, जिसे बिहार स्थापना दिवस भी कहा जाता है, हर वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन

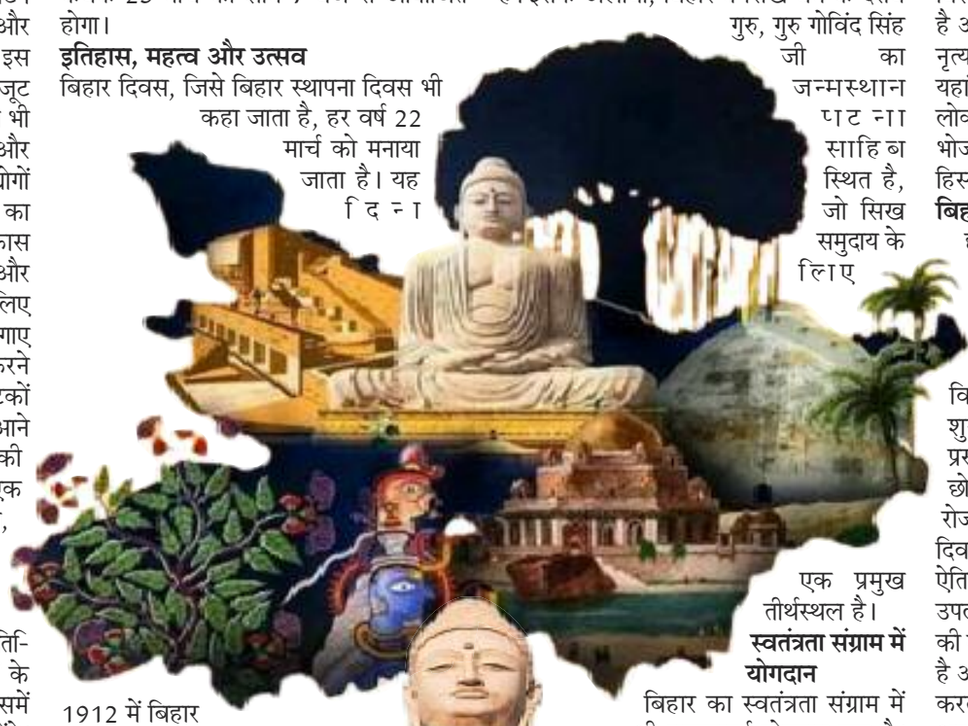

1912 में बिहार को बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग कर एक स्वतंत्र प्रांत के रूप में स्थापित किए जाने की स्मृति में मनाया जाता है। बिहार का इतिहास, संस्कृति और परंपराएं अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण हैं, जो इसे भारत के प्रमुख राज्यों में से एक बनाती हैं।

इतिहास

बिहार का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा है। यह क्षेत्र वैदिक काल में ह्यविहारह्ण या ह्यविहारकह्ण के नाम से जाना जाता था, जिसका अर्थ है ह्यमठों की भूमिह्ण। इस भूमि ने अनेक महान साम्राज्यों को जन्म दिया, जिनमें मौर्य, गुप्त, और पाल वंश प्रमुख हैं। मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य और उनके प्रधानमंत्री आचार्य चाणक्य ने मगध क्षेत्र से ही अपने साम्राज्य का विस्तार किया। सम्राट अशोक, जिन्हें विश्व में शांति और अहिंसा के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, ने भी यहीं से शासन किया। उनके शासनकाल में बौद्ध धर्म का व्यापक प्रसार हुआ और बिहार बौद्ध शिक्षा का केंद्र बना।

शैक्षणिक और सांस्कृतिक धरोहर

बिहार ने शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यहां स्थित नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय प्राचीन काल में उच्च शिक्षा के प्रमुख केंद्र थे, जहां विश्वभर से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय विशेष रूप से बौद्ध अध्ययन के लिए प्रसिद्ध था और इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। सांस्कृतिक दृष्टि से, बिहार की भूमि ने मैथिली, भोजपुरी, मगही जैसी समृद्ध भाषाओं और साहित्य को जन्म दिया है। मधुबनी पेंटिंग, जो मिथिला क्षेत्र की विशेषता है, अपनी जटिल डिजाइन और जीवंत रंगों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

धार्मिक महत्व

बिहार विभिन्न धर्मों का संगम स्थल रहा है। यहां बोधगया में महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई, जिससे यह स्थान बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए तीर्थस्थल बन गया। राजगीर, जो प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व का संगम है, बौद्ध और जैन धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है। यहां स्थित विश्व शांति स्तूप शांति का प्रतीक है। इसके अलावा, बिहार में सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी का जन्मस्थान पटना साहिब स्थित है, जो सिख समुदाय के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल है।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

बिहार का स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1857 के सिपाही विद्रोह में बाबू वीर कुंवर सिंह ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और उन्हें पराजित किया। इसके अलावा, चंपारण सत्याग्रह, जो महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1917 में हुआ, ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी।

बिहार दिवस का आयोजन

इस अवसर पर राज्य भर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, सेमिनार, और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास, और उपलब्धियों को प्रदर्शित करना होता है। इस दिन सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष आयोजन होते हैं, जिनमें लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। बिहार दिवस न केवल राज्य के गठन का उत्सव है, बल्कि यह बिहार की सांस्कृतिक पहचान, इतिहास, और विकास की यात्रा का भी प्रतीक है। यह दिन बिहारवासियों के लिए गर्व का अवसर होता है, जब वे अपने राज्य की उपलब्धियों को याद करते हैं और भविष्य के लिए नए संकल्प लेते हैं।

प्रमुख पर्यटन स्थल

बिहार में कई प्रमुख पर्यटन स्थल हैं जो इसकी समृद्ध संस्कृति और इतिहास को दर्शाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख स्थल निम्नलिखित हैं:

महाबोधि मंदिर, बोधगया: यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जहां महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

नालंदा विश्वविद्यालय: प्राचीन भारत का यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र था।

राजगीर: यहां स्थित विश्व शांति स्तूप और गर्म पानी के झरने पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं।

वैशाली: यह स्थान जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जन्मभूमि है।

पटना साहिब: सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी का जन्मस्थान।

सांस्कृतिक विविधता

बिहार की सांस्कृतिक विविधता उसके त्योहारों, नृत्य, संगीत, और कला में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यहां के प्रमुख त्योहारों में छठ पूजा, मकर संक्रांति, होली, और दशहरा शामिल हैं। छठ पूजा विशेष रूप से सूर्य देव की उपासना के लिए प्रसिद्ध है और इसे बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। नृत्य और संगीत में, बिहार की समृद्ध परंपरा है। यहां का ह्यझिझियाह्ण नृत्य और ह्यसमाचकेवाह्ण लोकनृत्य विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। इसके अलावा, भोजपुरी और मैथिली संगीत भारत के विभिन्न हिस्सों में लोकप्रिय हैं।

बिहार की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति

हाल के वर्षों में, बिहार ने आर्थिक और औद्योगिक क्षेत्र में भी प्रगति की है। कृषि इस राज्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है, जिसमें धान, गेहूं, गन्ना, और मक्का की खेती प्रमुख है। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। बिहार में अब विभिन्न खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, कपड़ा उद्योग, और अन्य छोटे एवं मध्यम उद्योग स्थापित हो रहे हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। बिहार दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि बिहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक उपलब्धियों का उत्सव है। यह दिन हमें बिहार की गौरवशाली परंपरा और संघर्षों की याद दिलाता है और हमें एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा में प्रेरित करता है। बिहारवासियों के लिए यह एक ऐसा अवसर है, जब वे अपने राज्य की समृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए संकल्पबद्ध होते हैं। बिहार दिवस का उत्सव हमें एकता, सहयोग और राज्य के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देता है। यह दिन बिहार की पहचान को और मजबूत करता है और हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है।

संक्षिप्त डायरी

एनकाउंटर,दही गोप हत्याकांड का मेन शूटर घायल

पटना। में गुरुवार की देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच एनकाउंटर हुआ है। जिसमें दही गोप मर्डर केस के मेन शूटर सोनू को गोली लगी है। पुलिस ने सोनू को अरेस्ट कर लिया, जबकि उसके साथी फरार हो गए। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि दही गोप मर्डर केस का शूटर सोनू अपने साथियों के साथ मनेर के सुवर मरवा इलाके में आया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो बदमाशों ने फायरिंग शरू कर दी।दोनों ओर से 6 राउंड फायरिंग हुई है। पुलिस के मुताबिक बदमाशों की तरफ से 4 राउंड फायरिंग की गई। जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए 2 राउंड गोली चलाई। एक गोली कुख्यात सोनू के पैर में लगी।सोनू कुमार पटना के टॉप 10 अपराधियों की लिस्ट में शामिल है। उसके खिलाफ मनेर और दानापुर में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पटना पश्चिम के सिटी एसपी शरत आरएस ने शुक्रवार अहले सुबह इस एनकाउंटर की जानकारी दी।21 दिसंबर 2024 को दानापुर में श्राद्ध कर्म से लौट रहे दानापुर छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रंजीत कुमार उर्फ दही गोप और विकास पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। दही गोप श्राद्ध भोज में शामिल होने के बाद पेठिया बाजार में अपने सहयोगियों को छोड़कर अपनी कार से घर की ओर बढ़ रहे थे।इस बीच एक युवक ने उसे आवाज दी। वहां जाते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। 20 राउंड फायरिंग हुई थी। दही गोप के पेट और सिर में करीब 5 गोली लगी थी।दही गोप को बचाने गए विकास को भी अपराधियों ने गोली मार दी थी। दोनों खून से लथपथ करीब 15 मिनट तक सड़क पर पड़े रहे। स्थानीय लोगों ने अस्पताल में दोनों को भर्ती कराया था। डॉक्टरों ने विकास को मृत घोषित कर दिया था।दही गोप की भी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। हत्या के अगले दिन इलाके में पेठिया और सदर बाजार के दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दी थी। पुलिस ने माहौल को देखते हुए फ्लैग मार्च भी किया था।डबल मर्डर में पुलिस ने राहुल जनरेटर और उसके साथी शुभम चड्ढा को अरेस्ट किया था, और मुख्य शूटर सोनू की तलाश थी।इसके साथ ही 10 दिसंबर 2024 को मनेर थाना क्षेत्र के महीनावा निवासी पॉलिटिकल पार्टी फछरढ के आईटी सेल में कार्यरत कुंदन कुमार की देर रात श्रीनगर मुख्य मार्ग पर लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में भी सोनू आरोपी था।

समस्तीपुर में गैस सिलेंडर में लीक से लगी आग

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के हंसौली गांव के वार्ड पांच मोहल्ला में गुरुवार शाम गैस सिलेंडर लीक होने से एक घर में आग लग गई। अगलगी कि इस घटना में एक बुजुर्ग महिला की भी जलकर मौत हो गई। वहीं घर का सारा सामान भी जलकर खाक हो गया। हल्ला होने पर जुटे आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाया। मृत महिला की पहचान गांव के स्वर्गीय इतवारी पासवान की पत्नी देवकी देवी (80) के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर पहुंची उजियारपुर थाने की पुलिस ने महिला का शव जब्त कर गुरुवार रात पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पति की मौत हो चुकी है, बेटा परदेश मेंघटना के संबंध में गांव के राकेश कुमार ने बतलाया कि बुजुर्ग महिला अकेले ही गांव में रहती थी। पति की मौत हो चुकी है जबकि बेटा परदेस में रहता है। लोगों ने बताया कि महिला शाम में खाना बना रही थी इसी दौरान गैस सिलेंडर लीक कर गया और ब्लास्ट हुआ । जिससे घर में भी आग लग गई । बुजुर्ग महिला की मौत हो गई । आसपास के लोगों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी उजियारपुर थाने की पुलिस को दी। इसके बाद पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को सदर अस्पताल भेजा है। उधर अगलगी की इस घटना में बुजुर्ग महिला घर में रखा कपड़ा अनाज आदि भी चल कर खाक हो गया। उजियारपुर थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बतलाया गैस सिलेंडर लीक होने से महिला की जुलस कर मौत हुई है। इस घटना में महिला के घर में भी आग लग गई थी जिसे ग्रामीणों के सहयोग से बुझाया गया। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है घटना को लेकर एक जूडी केस दर्ज की जा रही है महिला के घर में कोई नहीं रहता था।

मानवाधिकार आयोग महिला विंग का खुला कार्यालय

गया। जिले की महिलाओं के अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग महिला विंग का कार्यालय गुरुद्वारा रोड पर खोला गया। इस कार्यालय का नेतृत्व जिला अध्यक्ष करेंगी। यहां महिलाओं की शिकायतें सुनी जाएंगी और न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि यह कार्यालय पीड़ित महिलाओं के लिए एक मजबूत सहारा बनेगा। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, कार्यस्थल पर असमानता और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याओं से लड़ने के लिए यह केंद्र बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित महिलाओं के लिए यह कार्यालय मील का पत्थर साबित होगा। आयोग महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ट्रेनिंग भी देगा।महिला किसी भी समय समस्या साझा कर सकतीं इस अवसर पर समाजसेवी, महिला अधिकार कार्यकर्ता और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम बताया। राखी अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यालय हर पीड़ित महिला के लिए हमेशा खुला रहेगा। कोई भी महिला किसी भी समय यहां आकर अपनी समस्या साझा कर सकती है। महिलाओं की लड़ाई को मिलेगी नई ताकत गया में महिलाओं के लिए यह कार्यालय सिर्फ शिकायत दर्ज करने का केंद्र नहीं, बल्कि इंसाफ की लड़ाई का मंच बनेगा। यहां हर महिला को न्याय के लिए कानूनी मदद, काउंसलिंग और अन्य आवश्यक सहायता दी जाएगी। इस पहल से गया में महिलाओं की स्थिति मजबूत होगी और उनके हक के लिए एक नई लड़ाई लड़ी जाएगी।

लो जी और खा लो चटकारे लेकर चाप और मोमोज... हैरान कर देने वाली खबर आई सामने

अमृतसर : चाप और मोमोज खाने वाले सावधान हो जाएं। शहर में कुछ प्रतिष्ठानों द्वारा फूड सेफ्टी व स्टैंडर्ड एक्ट के उल्ट काम करते हुए गंदगी में चाप और मोमोज तैयार कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज ऐसी ही अन्नगढ़ स्थित 2 फैक्टरियों पर छापामारी की गए। चाप बनाने वाली उक्त फैक्ट्रियों के पास न तो फूड सेफ्टी व स्टैंडर्ड एक्ट के तहत कोई लाइसैंस था और गंदगी के आलम में चाप तैयार की जा रही थी। मार्कीट में सप्लाई करने वाली चाप पर मक्खियों व मच्छर पनप रहे थे। विभाग ने दोनों फैक्टरियों को सील कर चालान कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार रूप नगर में मोमोज बनाने वाली फैक्टरी की वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग गलत काम करने वालों के खिलाफ छापेमारी कर रहा है। अमृतसर में सहायक कमिश्नर फूड राजिंदर पाल सिंह द्वारा पहले से ही मिलावटखोरी खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही हैं, वहीं अब मापदंड पर खरे न उतरने वाले मोमोज और चांप बनाने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। डी.सी. साक्षी साहनी के नेतृत्व में अन्नगढ़ स्थित 2 फैक्टरियों को सील कर चालान किया गया है। इसके अलावा रामबाग स्थित एक अदारे का चालान किया गया है। उक्त प्रतिष्ठान द्वारा शहर में मोमोज और चांप सप्लाई की जाती थी। राजिन्द्र पाल सिंह ने कहा कि अन्नगढ़ में चांप बनाने वाली फैक्टरियों के पास न तो फूड सेफ्टी का कोई लाइसैंस था और ट्रेड सिस्टम का भी बुरा था, बाथरूम गंदे थे तथा चाप बनाने वाले वर्करों की मैडीकल

चांप और मोमोज खाने वाले सावधान हो जाएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज 2 फैक्टरियों पर छापामारी की गए।

जांच नहीं हुई थी। इसी तरह रामबाग स्थित डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा फ्रिज में रखे गए मोमोज और चांप भी सही नहीं दिखे। न तो समाप्ति अवधि और न ही कब बनाए हुए हैं, के संबंधी में कोई जानकारी दी गई है।

उन्होंने बताया कि उक्त अदारे का भी चालान किया गया है। राजिंद्रपाल सिंह ने बताया कि 3 चाप, एक मोमोज व एक सॉस का सैंपल तीनों अदारों से लिया गया है। इसके अलावा शहर में स्थित अन्य चाप और मोमोज बनाने वाली फैक्टरियों व अदारों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नियमों के विरुद्ध चल रही प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्त्ता का नाम विभाग द्वारा गोपनीय रखा जाएगा। इस अवसर पर फूड इंस्पेक्टर अमनदीप सिंह, फूड इंस्पैक्टर सतनाम सिंह आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज की गई कार्रवाई में विजीलैंस टीम के अधिकारी भी शामिल थे। विजीलैंस एस.एस.पी. लखबीर सिंह जोकि एक ईमानदार व मेहनती पुलिस अधिकारी हैं और लंबे समय से अमृतसर में सेवा कर रहे हैं, ने पहले ही बहुत अच्छा काम किया है। अब स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर विजीलैंस की टीम मिलावटखोरी करने वालों खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बंद हो जाएंगे 100 व 200 के नोट ! आरबीआई का बड़ा ऐलान

जम्मू : भारतीय करंसी में 100 और 200 के नोटों को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में नए ड्र100 और 200 के नए नोट जारी किए हैं। 12 मार्च, 2025 को, भारतीय रिजर्व बैंक ने नए 100 और 200 के करेंसी नोट जारी करने की घोषणा की है, जिसमें उन्नत डिजाइन और बढ़ी हुई सुरक्षा सुविधाएं शामिल हैं। ये नए नोट न केवल देखने को आकर्षक हैं, बल्कि इनमें सुरक्षा को लेकर भी सही है, जिससे उन्हें नकली बनाना कठिन है। पुराने नोटों की वैधताएक महत्वपूर्ण सवाल जो लोगों के मन में हैः क्या पुराने 100 और 200 के नोट अब वैध रहेंगे? आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि पुराने नोटों की वैधता समाप्त नहीं होगी। आप पुराने नोटों का उपयोग पहले की तरह कर सकते हैं। आरबीआई ने आश्वासन दिया है कि दोनों प्रकार के नोट पुराने और नए साथ-साथ प्रचलन में रहेंगे, जिससे कोई भी उपयोगकर्ता बिना चिंता के अपने लेन-देन जारी रख सकता है।

वाहन चालक दें ध्यान, अब पार्किंग में इनट्री पर नहीं देने पड़ेंगे पैसे

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ नगर निगम ने शहर की 89 पेड पार्किंग की नीलामी के लिए कमर कस ली है। लगभग दो वर्ष से इन पार्किंगों को निगम ही चलाता आ रहा है। 25 मार्च को निगम सदन की बैठक में पेड पार्किंगों की नीलामी का प्रस्ताव लाया जा रहा है। मेयर हरप्रीत कौर बबला के अनुसार इस बार पार्किंग को पीपल फ्रैंडली बनाए जाने के लिए नियम व शर्तों में बहुत बदलाव किए गए हैं। अभी प्रस्ताव पूरी तरह तैयार नहीं हुआ है, लेकिन यह तय है कि पार्किंग में एंट्री की बजाए एग्जिट पर पैसे लिए जाएंगे। एंट्री पर पैसे लेने के समय वाहनों की लंबी लाइन लग जाती थी। इसके मद्देनजर अब एग्जिट पर पैसे लिए जाने का प्रस्ताव तय किया गया है। इसके अतिरिक्त सभी पार्किंग स्मार्ट होंगी और डिजिटल माध्यम से चार्ज लिए जाएंगे। सभी पार्किंग पर मशीनें आबंटित की जाएंगी, ताकि खुले पैसे या अन्य समस्या से लोगों को जूझना ना पड़े। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन पार्किंगस से निगम को 10 से 15 करोड़ रुपए राजस्व आ सकता है। इसके अतिरिक्त निगम को जल्द फंड्स मिलने वाले हैं, जिससे रुके हुए काम शुरू करवा दिए जाएंगे।

हाउस में तय किए जाएंगे रेट

प्रस्तावित पेड पार्किंग में दोपहिया वाहनों को मुफ्त और चार पहिया वाहनों के रेट हाउस मीटिंग में बहस या चर्चा के बाद ही तय किए जाएंगे। बताया गया कि प्रस्ताव के अनुसार इस बार पूरे शहर की पार्किंग एक ही कंपनी को सौंपी जाएगी, जिस पर अधिकतर पार्षद आपत्ति जता रहे हैं। उनका कहना है कि पार्किंग को जोन में विभाजित किया जाना चाहिए और एक कंपनी के बजाय जोन के अनुसार ठेकेदार या कंपनी को सौंपा जाना चाहिए। निगम को नीलामी से अच्छी आय होने की उम्मीद

सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी ने दलील दी कि इससे पहले भी एक ठेकेदार को पार्किंग की जगह दी गई थी, जो धोखाधड़ी करके ठेका बीच में ही छोड़कर भाग गया था। उन्होंने कहा कि यदि पार्किंग स्थल अलग-अलग कंपनियों या ठेकेदारों को दिया गया होता तो यदि कोई भाग भी जाता तो भी निगम को अन्य से राजस्व प्राप्त होता रहता। बंटी ने कहा कि निगम को पार्किंग नीलामी से अच्छी आय होने की उम्मीद है।

पंजाब की सियासत में दिल्ली नेताओं की इन्टी, मनीष सिसोदिया को मिली बड़ी जिम्मेदारी

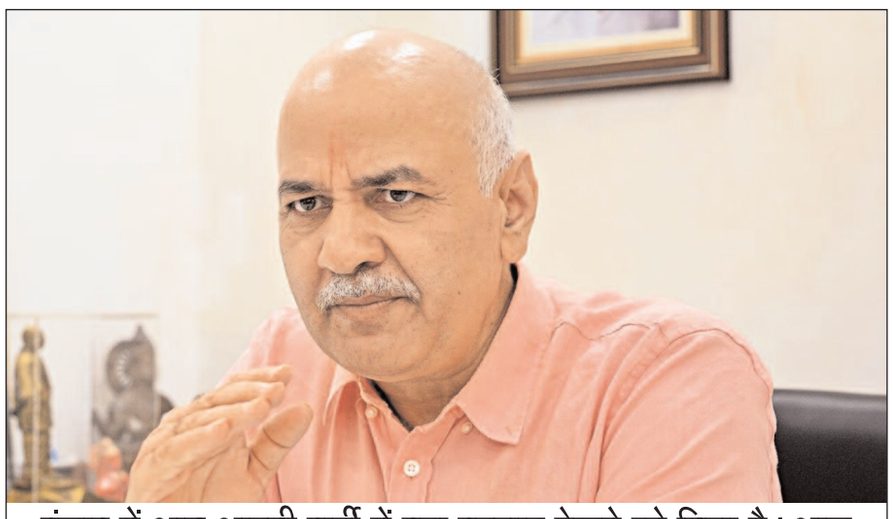

पंजाब में आम आदमी पार्टी में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आज आम आदमी पार्टी ने राजीनितक मुद्दों के संबंधी मामलों को लेकर एक मीटिंग बुलाई गई।

पंजाब : पंजाब में आम आदमी पार्टी में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आज आम आदमी पार्टी ने राजीनितक मुद्दों के संबंधी मामलों को लेकर एक मीटिंग बुलाई गई। ये मीटिंग पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंदर केजरीवाल के घर पर हुई। इस दौरान कई अहम फैसले लिए गए। इसके साथ ही 4 राज्यों में प्रभारी व 2 राज्यों में अध्यक्ष बनाए गए।

इसी साथ ही दिल्ली के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया को पंजाब में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, मनीष सिसोदिया को पंजाब का 'आप' इंचार्ज नियुक्त किया गया है। बता दें कि सिसोदिया जरनैल सिंह की जगह पर इंचार्ज बनें हैं। इसके साथ ही सत्येंद्र जैन को पंजाबका सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं संदीप पाठक को छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी व सौरभ भारद्वाज को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आपको बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनावों के नतीजों से पहले ही मनीष सिसोदिया पंजाब में एक्टिव नजर आ रहे थे। वहीं अब पंजाब बजट के बीच ये बदलाव किया गया है।

जांलधर में नशे के खिलाफ बड़ा एक्शन, चला पीला पंजा... पुलिस छावनी में तबदील हुआ इलाका

जालंधर : पंजाब में नशे के विरुद्ध मान सरकार का एक्शन लगातार जारी है। इसी बीच जालंधर में एक बार फिर नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजल एक्शन देखने को मिला है। मिली जानकारी के अनुसार, शहर में आज सुबह-सुबह भार्गव कैंप इलाके में पुलिस पहुंची और नशा तस्करी की कमाई से बनाए गए 2 घरों पर डिच मशीन चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, 3 भाईयों रोहित, जितेंद्र व वरिंदर सिंह उर्फ मोला के भार्गव कैंप में स्थित घरों को तोड़ा गया है, जोकि बड़े ड्रग तस्कर हैं। तीनों भाई नशा तस्करी के कई मामलों में नामजद हैं। पहले इन नशा तस्करों को 12.30

बजे तक का समय दिया गया था कि घर को खाली कर दिया जाए। लेकिन इससे पहले पुलिस इलाके में डिच मशीने लेकर चली गई और देखते ही दखते घरों तोड़ दिया। भारी पुलिस फोर्स सुबह ही इलाके में तैनात कर दी गई। इन्हें कई भारी नशा बेचने से रोका गया लेकिन इसके बावजूद ये बाज नहीं आ रहे थे, जिसके उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया। बता दें कि तीनों भाइयों में वरिंदर सिंह उर्फ मोला को हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में 1 किलो हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया था।

शहर में बेखौफ लुटेरों का आतंक, तेजधार हथियार के बल पर दिया वारदात को अंजाम

लुधियानाः गिल रोड़ पर वीरवार को देर रात मोटरसाइकिल सवार तीन लूटेरों ने एक युवक से मोबाइल व नकदी छीनने की कोशिश की तो विरोध जताने पर लूटेरों ने उस पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया जिस कारण युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया । जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, उसकी हालत को देखते हुए डाक्टरों ने उसे पीजीआई रैफर कर दिया । जख्मी की पहचान विनोद कुमार के रूप में की गई है ।

वारदात की सूचना थाना डिवीजन नंबर 6 की पुलिस को दी गई । जख्मी हुए विनोद के दोस्त ने बताया कि वह गिल रोड़ पर ही कार ड्राइवरी का काम करता है। रात को वह फैक्ट्री में कार पार्क कर वापस अपने घर जा रहा था कि गिल रोड पर उसे मोटरसाइकिल सवार तीन लूटेरों ने घेर लिया । लूटेरों ने उसका मोबाइल व अन्य सामान छीनने की कोशिश की तो उसने विरोध जताना शुरू कर दिया । जिस एक लूटेरे ने तेजधार हथियार से उस पर वार कर दिया, जिस कारण उसकी कलाई पर लगा । डाक्टरों ने बताया कि इसके कारण उसकी कलाई की हड्डी कट गई।

पंजाब में 3000 से अधिक पंचायतें एकजुट, लिया यह अहम फैसला

जालंधर/चंडीगढ़ : पंजाब सरकार के नशा विरोधी मुहिम ह्ययुद्ध नशों विरुद्धह्व को भारी समर्थन देते हुए, प्रदेशभर की 3000 से अधिक पंचायतों ने नशों के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर, राज्य से नशे की समाप्ति के लिए पंजाब पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में चलाया जा रहा यह अभियान अब एक जन आंदोलन में बदल गया है, और प्रदेशभर के गांव एवं कस्बे पूरी निष्ठा और सक्रियता से इसका हिस्सा बन रहे हैं। गौरतलब है कि नशा तस्करों के खिलाफ चल रही इस मुहिम के तहत पंजाब पुलिस ने डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डी.जी.पी.) पंजाब गौरव यादव के नेतृत्व में एक विशेष नशा विरोधी जागरूकता अभियान भी शुरू किया है, ताकि इस गंभीर समस्या के खिलाफ लड़ाई में आम जनता की आवश्यक एवं सशक्त भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संबंध में जानकारी सांझा करते हुए, विशेष डी.जी.पी. (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत पुलिस कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (सी.पीज./एस.एस.पीज.) को निर्देश

दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में जनसंपर्क कार्यक्रम, छात्रों के साथ बैठकें एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करें, ताकि आम जनता, युवाओं, गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.), क्लबों आदि को इस अभियान से जोड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम की शुरूआत से अब तक 3022 पंचायतें नशे की लानत से निपटने, पुनर्वास प्रयासों को समर्थन देने और समाज से नशों को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस-जनता सहयोग का प्रमाण देते हुए प्रस्ताव पारित कर चुकी हैं। विशेष डी.जी.पी. अर्पित शुक्ला ने कहा कि जनता के भारी समर्थन ने पूरे प्रदेश में सख्ती से छापेमारी कर रही पंजाब पुलिस के प्रयासों को और अधिक मजबूती दी है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को 97 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया, 1.5 किलो हेरोइन, 100 ग्राम अफीम, 2 किलो गांजा और 1.86 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई। पिछले 20 दिनों के दौरान कुल गिरफ्तारियों की संख्या 2463 तक पहुंच गई है, जो ड्रग नैटवर्क पर शिकंजा कसने की दिशा में की जा रही कार्रवाई को दशार्ती है। विशेष डी.जी.पी. अर्पित शुक्ला ने बताया कि 84 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1300 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने प्रदेशभर में 440 स्थानों पर छापेमारी की और 58 एफ.आई.आर. दर्ज कीं। इसके अलावा, पुलिस टीमों ने दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान 478 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को नशामुक्त करने के लिए तीन स्तरीय रणनीति-प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम-लागू की गई है,

खबर एक्सप्रेस

पंजाब से कनाडा गए पति को मिला धोखा! 23 लाख लगाकर भेजी पत्नी ने कर दिया कांड

पंजाब : ससुरालियों द्वारा 23 लाख रुपए खर्च कर बहू को कनाडा भेजा गया था, इस उम्मीद से कि उनके बहू-बेटा वहां जाकरअच्छी जिंदगी जी सकेंगे। लेकिन जब कुछ समय बाद उनका बेटा कनाडा चला गया तो उनकी पत्नी ने उसकी पी.आर. की फाइल लगाने की बजाए तलाक का केस दायर कर दिया। इस मामले में पंजाब पुलिस ने लड़की और उसके माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 20 अगस्त 2024 को शिमलापुरी के रहने वाले गुरचरण सिंह ने लुधियाना पुलिस कमिश्नर के सामने अपने बेटे के ससुराल वालों पर धोखाधड़ी समेत कई गंभीर आरोप लगाए थे। गुरचरण सिंह ने बताया कि उनके बेटे मनप्रीत सिंह की शादी 2020 को पुलिस कॉलोनी तरनतारन की रहने वाली हरप्रीत कौर के साथ हुई थी। शादी के बाद उन्होंने 23 लाख रुपए लगाकर अपनी बहू को स्टडी वीजा पर कनाडा भेजा और कुछ समय बाद उनका बेटा भी उसके साथ कनाडा चला गया। गुरचरण सिंह ने बताया कि मनप्रीत के कनाडा जाने के बाद उसकी पत्नी ने पी.आर. फाइल दाखिल करने के बजाय कोर्ट में तलाक का केस दायर कर दिया। पुलिस कमिश्नर ने पीड़ित गुरचरण सिंह की शिकायत की जांच कर थाने की महिला सेल की पुलिस को भेज दी

पंजाब में इन तारीखों में छुट्टी का ऐलान, बंद रहेंगे स्कूल-दफ्तर

चंडीगढ़ः पंजाब में इस महीने के अंत में लगातार 3 छुट्टियां आ रही हैं। राज्य सरकार ने सोमवार 31 मार्च को भी छुट्टी घोषित कर दी है। इस दिन ईद-उल-फितर है, जिसके चलते पंजाब सरकार ने पूरे राज्य में छुट्टी की घोषणा की है। इस दिन स्कूल, कॉलेज, कार्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। यहां यह भी बता दें कि 31 मार्च को सोमवार है जबकि 30 मार्च को रविवार है, इसके अलावा शनिवार को भी कुछ स्कूलों और दफ्तरों में छुट्टी है, इसलिए शनिवार, रविवार और सोमवार को लगातार 3 छुट्टियां रहेंगी।

पंजाब के इन बिजली उपभोक्ताओं को जोर का झटका! बड़ी तैयारी में पावरकॉम

पंजाब : पावरकॉम द्वारा बिजली बिल जमा न करने वाले डिफॉल्टर उपभोक्ताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत लंबे समय से बिलों का भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं से बकाया राशि वसूली जा रही है। इसके साथ ही जिन उपभोक्ताओं को बार-बार अपील करने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया, उनके बिजली कनैक्शन काटने की प्रक्रिया को और तेज कर दिया गया है। एक्सईएन सब-डिवीजन खरड़ इंदरप्रीत सिंह ने बताया कि पंजाब सरकार के आदेशनुासर 31 मार्च से पहले अधिकतम डिफाल्टिंग राशि की रिकवरी करने का लक्ष्य है। इसी के तहत एस.डी.ओ. सिटी-2 सतिंदर सिंह द्वारा एक सप्तार के भीतर अब तक 20 लाख रुपए की रिकवरी की गई है और 10 मीटर कनैक्शन काटे गए है। अधिकारी ने बताया कि सब-डिवीजन के अंतर्गत विभाग की विभिन्न टीमें लगातार इस कार्रवाई को अंजाम दे रही हैं। उपभोक्ताओं से अपील समय पर जमा कराएं बिजली बिल

दरअसल, उपभोक्ताओं द्वारा समय पर बिजली बिल जमा नहीं कराए जाते। इसके चलते पावरकॉम समय-समय पर उन्हें भुगतान करने की अपील करता रहा है। इसके बावजूद कुछ उपभोक्ताओं के बकाया बिलों की राशि लगातार बढ़ रही है। इनमें से कुछ उपभोक्ताओं के बिल 50,000 रुपए से भी अधिक हो चुके है। ऐसे उपभोक्ताओं को समय पर बिल जमा करने और न करने की स्थिति में कनैक्शन काटने की चेतावनी कई बार दी गई थी।

मोबाइल युजर्स को बड़ी राहत, यह कंपनी लाई 180 दिनों का सस्ता रिचार्ज

जम्मू : मोबाइल यूजर्स के लिए एक राहत भरी खबर हैं। अगर आप भी बार-बार मोबाइल रिचार्ज के झंझट से बचना चाहते हैं तो यह खबर आपके फायदे की हो सकती है। आप तो जानते ही हैं कि कई रिचार्ज कम्पनियों द्वारा काफी महंगे रिचार्ज किए जाते हैं जो कि मोबाइल यूजर्स की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। ऐसा भी देखा जाता है कि यूजर्स मंहगे रिचार्ज के चलते छोटे-छोटे जैसे एक महीने या ढेड़ महीने तक के लिए रिचार्ज करवाते हैं। लेकिन अब इस झंझटों से छुटकारा मिल सकता है क्यों बीएसएनएल ने 180 दिन वाला रिचार्ज प्लान शुरू किया है। इस प्लान की कीमत 897 रुपए है, जो इसे किफायती बनाता है।लंबी वैलिडिटीः 180 दिनों की वैलिडिटी, जो आपको छह महीने तक रिचार्ज की चिंता से मुक्त रखती है।

अनलिमिटेड कॉलिंगः लोकल और एसटीडी नेटवर्क पर अनलिमिटेड बातें करने की सुविधा, जिससे आप जहां चाहें बात कर सकते हैं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के। फ्री एसएमएसः सभी नेटवर्क के लिए प्रति दिन 100 फ्री एसएमएस, जो आपको संदेश भेजने में और भी सहूलियत प्रदान करते हैं।

डेटा बेनिफिट्सः कुल 90 जीबी डेटा, जो कि 180 दिनों में उपयोग किया जा सकता है। ये उन यूजर्स के लिए काफी है जो इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग नहीं करते हैं। यह प्लान उन यूजर्स के लिए है जो लंबे समय तक बिना किसी रिचार्ज की चिंता से मुक्त होना चाहते हैं। यह खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो सामान्य सेवाओं के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं और महंगे रिचार्ज प्लान्स से बचना चाहते हैं।

दोमोरिया पुल की ओर आने वाले दे ध्यान! लोगों को मिली बड़ी राहत

लुधियाना : हलका उत्तरी के निवासियों को बड़ी राहत देते हुए स्थानीय दोमोरिया पुल के एक ओर की यातायात को फिर से शुरू कर दिया गया है। विधायक मदन लाल बग्गा और नगर निगम कमिश्नर आदित्य डचवाल ने संयुक्त रूप से इस पुल का उद्घाटन किया।

विधायक बग्गा ने बताया कि नवीनीकरण कार्यों के कारण दोमोरिया पुल की आवाजाही पिछले लगभग 4 महीनों से बंद थी जिससे स्थानीय व्यापारियों और निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। पुल के बंद होने के कारण स्थानीय बाजारों की व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं। व्यापारियों और स्थानीय लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पुल के एक ओर की यातायात को सुचारू करने का निर्णय लिया गया, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक ने कहा, "व्यापारियों की मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना के काम में तेजी लाई गई, ताकि यातायात सुचारू रूप से शुरू हो सके और लोगों को असुविधा न हो।" नगर निगम कमिश्नर आदित्य डचवाल ने कहा, "पुल के एक ओर की आवाजाही शुरू होने से व्यापारिक गतिविधियां सामान्य हो सकेंगी और लोगों का समय भी बचेगा।" विधायक बग्गा ने कहा कि पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार आम लोगों की सरकार है और लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएंगी। राज्य सरकार विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में यह पुल लोगों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक हैं। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में हैं। वहीं अनुमान लगाया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 13 करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्त स्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लोग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या होने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव होना, उंगलियों का कालापन होना। शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्रकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृतिक तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवनशैली पर शिफ्ट करना महत्वपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाइड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल्स होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलत जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बिजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सीखी है और वो है स्वस्थ रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्युनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोषक तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार के फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को दुरुस्त करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सप्लीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बना कर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय धमनियों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पाई जाती है। इनमें से लगभग 99% हिस्सा हमारे दांतों और हमारे शरीर की हड्डियों में स्टोर होता है। जबकि बाकी 1% रक्त और मांसपेशियों में स्टोर होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या सामन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुल्थी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शोध में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। मक्खन और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि ये आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल या ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य होना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज या हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।

डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डायबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डायबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्ट अटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय को भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेद चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जाने कितनी प्रकार की डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डाइट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नियंत्रित करता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र बेहतर होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबॉलिज्म को तेज करने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार एनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और थोड़ा सा ब्राउन शुगर मिलाएं। यह शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एप्पल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटर मिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में डाइजेशन पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाय 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉली फिनोलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियां को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती हैं। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती हैं।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सके।

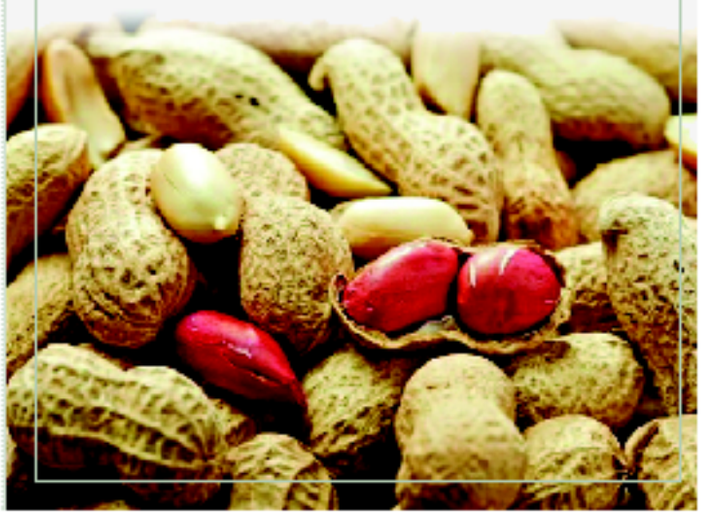

सिकंदर की रिलीज से पहले लाफ्टर शेफ्स में नजर आएंगे सलमान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म इस महीने के अंत में रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब सलमान खान ने फिल्म का प्रचार भी शुरू कर दिया है। अब खबर आई है कि सलमान खान सिकंदर का प्रचार एक शो में करेंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान फिल्म को प्रमोट करने के लिए लाफ्टर शेफ्स- अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 2 में नजर आएंगे। इंडिया फोरम की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सलमान खान की आगामी एपिसोड में कुकिंग-आधारित शो लाफ्टर शेफ्स- अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में एक विशेष उपस्थिति होगी। हालांकि, इस बारे में अभिनेता या निर्माताओं की ओर से आधिकारिक मुहर का इंतजार है।

इस दिन आएगा फिल्म का ट्रेलर

इससे पहले फिल्म के ट्रेलर पर अपडेट सामने आया था। सलमान खान की सिकंदर का ट्रेलर आठ दिनों के भीतर रिलीज होने वाला है। निर्माताओं ने फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बनाए रखने के लिए कई प्रोमो और दो टीजर जारी किए हैं। यहां तक कि फिल्म के दो गाने भी रिलीज हो चुकी हैं। अब खबर है कि फिल्म का ट्रेलर सिनेमाघरों में इसकी रिलीज से ठीक एक हफ्ता पहले जारी किया जाएगा।

फिल्म की शूटिंग पूरी

आज निर्माताओं ने फिल्म का तीसरा गाना सिकंदर नाचे का टीजर भी जारी किया है। सलमान खान और एआर मुरुगादॉस ने सिकंदर के लिए पहली बार साथ काम किया है। सलमान ने अपने किक के निर्देशक साजिद नाडियाडवाला के साथ फिर हाथ मिलाया है। हाल ही में सलमान खान ने फिल्म का आखिरी सीन शूट किया था, जो इसका डांस नंबर ही था। फिल्म का संपादन पूरा हो चुका है और वीएफएक्स और बैकग्राउंड पर काम चल रहा है।

कब रिलीज होगी फिल्म

सलमान खान ने फिल्म के लिए डबिंग भी शुरू कर दी थी। इस फिल्म में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, सत्यराज और प्रतीक बब्बर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद 2025 के मौके पर 30 मार्च को सिनेमाघरों में आने वाली है।

जगन शक्ति की मूवी में तमन्ना की एंट्री?

साथ दिखेंगे अजय देवगन

निर्देशक जगन शक्ति की आगामी फिल्म में कथित तौर पर तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। वहीं इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन और संजय दत्त की भी होने की उम्मीद है। इस फिल्म की शूटिंग मार्च के आखिर में शुरू होगी। यह एक एक्शन-ड्रामा फिल्म हो सकती है। तमन्ना भाटिया मिशन मंगल फिल्म निर्माता जगन शक्ति द्वारा निर्देशित एक रोमांचक नई फिल्म में अजय देवगन और संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म में तीनों का एक्शन अवतार देखने को मिल सकता है। कथित तौर पर इस फिल्म का नाम रेंजर रखा गया है। इसे लव फिल्म्स बना रही है, जिसके साथ अजय देवगन पहले दे दे प्यार दे फिल्म पर काम कर चुके हैं। इस फिल्म में संजय दत्त विलेन की भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म की शूटिंग मार्च के आखिर में शुरू होगी। खबर के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर जगन शक्ति ने तमन्ना भाटिया को मुख्य भूमिका के लिए चुना है। तमन्ना अप्रैल के पहले हफ्ते में अजय देवगन और संजय दत्त के साथ शूटिंग शुरू करेंगी। यह फिल्म एक्शन और रोमांच से भरी होगी।

मार्च के आखिरी में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

कथित तौर पर तमन्ना इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं। उनकी भूमिका अच्छी तरह लिखी गई है और इसमें एक खास मोड़ भी है। उन्होंने फिल्म के लिए अपनी कई तारीखें दी हैं और तैयारी शुरू कर दी है। तमन्ना ने डायरेक्टर जगन शक्ति के साथ स्क्रिप्ट पर भी कई बार चर्चा की है। फिल्म में कई बड़े कलाकार होंगे, लेकिन उनके नाम अभी छिपाए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को पूरे साल में अलग-अलग चरणों में शूट किया जाएगा और 2026 में सिनेमाघरों में बड़े स्तर पर रिलीज होगी। कथित तौर पर यह एक महंगी फिल्म होगी। फिल्म में नए तरह के सीन होंगे और अजय नई तकनीक से कुछ खास करने के लिए तैयार हैं।

इम्तियाज अली बना सकते हैं रॉकस्टार 2

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली कथित तौर पर अपनी फिल्म रॉकस्टार का सीक्वल बन सकता है। जब 2011 में रणबीर कपूर की फिल्म रॉकस्टार रिलीज हुई थी, तब दर्शकों ने इसे बेहद पसंद किया था। यही वजह है कि इस फिल्म का सीक्वल बन सकता है। क्या बनेगी रॉकस्टार 2 रणबीर कपूर को दर्शकों ने फिल्म रॉकस्टार में जॉर्डन के करिदार में बेहद पसंद किया था। फिल्म की कहानी से लेकर इसका म्यूजिक दर्शकों के बीच काफी मशहूर हुआ। ओटीटी प्ले की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इम्तियाज ने कहा है कि शायद अब सही वक्त है कि रॉकस्टार 2 बनाई जाए। सवाल यह है कि क्या यह सच में होगा और अगर हां, तो कब?

रॉकस्टार को लेकर इम्तियाज का नजरिया

ओटीटीप्ले की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इम्तियाज ने हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म रॉकस्टार को लेकर कहा, कभी ना नहीं कहना चाहिए। हो सकता है कोई नया आइडिया आए और मुझे लगे कि यह रॉकस्टार की कहानी को आगे बढ़ा सकता है। कभी-कभी कोई अजीब विचार भी दिमाग में आ जाता है। इम्ताज की इन बातों से लगता है कि वह रॉकस्टार 2 बना सकते हैं।

क्या रणबीर कपूर रॉकस्टार 2 में होंगे?

रणबीर की फिल्म एनिमल में उनके किरदार में जॉर्डन जैसी तेजी देखने को मिली थी। जिस तरह उन्होंने भावनाओं को दिखाया, वह लोगों को बहुत पसंद आया। तो अगर स्क्रिप्ट अच्छी हुई, तो रणबीर जॉर्डन या किसी ऐसे ही किरदार के साथ वापसी कर सकते हैं। लेकिन मूल फिल्म में नरगिस फाखरी का किरदार मर गया था, तो उनका सीक्वल में लौटना मुश्किल है।

गांधारी की शूटिंग हुई पूरी, अभिनेत्री ने फिल्म को लेकर शेयर किए अनुभव

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री तापसी पन्नू जल्द ही एक शानदार फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसके सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। अपनी आगामी फिल्म गांधारी की शूटिंग पूरी होने को लेकर उन्होंने एक बड़ा अपडेट किया है, जिसे लेकर उनके फैंस में उत्साह देखने को मिल रहा है। आइए जानते हैं क्या है पूरी खबर।

जब वह धारा के विपरीत जाती हैं

हाल ही में तापसी पन्नू ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म 'गांधारी' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर कीं हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग पूरी होने का संदेश दिया है। साथ ही पोस्ट के कैप्शन में अभिनेत्री ने फिल्म से जुड़े अनुभवों को शेयर किया है। इसमें तापसी ने लिखा कि अगर इच्छा शक्ति और धैर्य नाम का कोई फ्यूल होता है, तो उन्होंने इस फिल्म में देखा। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कहा कि जब वह धारा के खिलाफ जाने का प्रयास करती हैं, तो उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। अभिनेत्री ने लिखा कि जल्द ही वह 'गांधारी' लेकर आ रही हैं।

मां के रोल में दिखेंगी अभिनेत्री

यह वीडियो एक्शन थ्रिलर फिल्म एक अलग तरह के प्यार को दर्शाएगा। फिल्म में मां और बच्चे के बीच गहरे संबंधों को यह फिल्म रेखांकित करेगी। पिछले कुछ महीनों पहले फिल्म को लेकर जारी हुए एक शॉर्ट वीडियो से यह जानकारी मिला थी।

कनिका ढिल्लों के साथ आएंगी नजर

बता दें कि तापसी पन्नू और कनिका ढिल्लों 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में एक साथ काम कर चुकी हैं। इस फिल्म को कनिका ने ही लिखा है। अब एक बार फिर दोनों की जोड़ी इस फिल्म में नजर आएगी।

निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी फिल्म में नजर आने वाले हैं चिरंजीवी

निर्देशक अनिल रविपुडी ने इस संक्रांति के मौके पर वेंकटेश के साथ संक्रांतिकी वस्तुन्नम जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म ने वैश्विक रूप से बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर संक्रांति के त्योहार को और भी ज्यादा खास बना दिया था। अब अनिल एक नए प्रोजेक्ट के साथ तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म में मेगास्टार चिरंजीवी नजर आने वाले हैं। ताजा खबरों के मुताबिक अनिल ने चिरंजीवी की अगली फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी कर ली है। खबर है कि अनिल ने इस फिल्म में एक खास फ्लैशबैक सीन तैयार किया है जो रायलसीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। चिरंजीवी इसमें लंबे समय बाद सीमा बोली में बात करते नजर आएंगे जो फैंस के लिए एक बड़े तोहफे से कम नहीं होगा। फिल्म की शूटिंग जून के पहले हफ्ते से शुरू होने की उम्मीद है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

इस प्रोजेक्ट को साहू गरपति अपनी शाइन स्क्रीन्स बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो चिरंजीवी इन विश्वभरा के लिए भी काफी ज्यादा चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन मल्लिदी वशिष्ठ ने किया है। फिल्म को इसी साल 9 मई को रिलीज करने की तैयारी है।

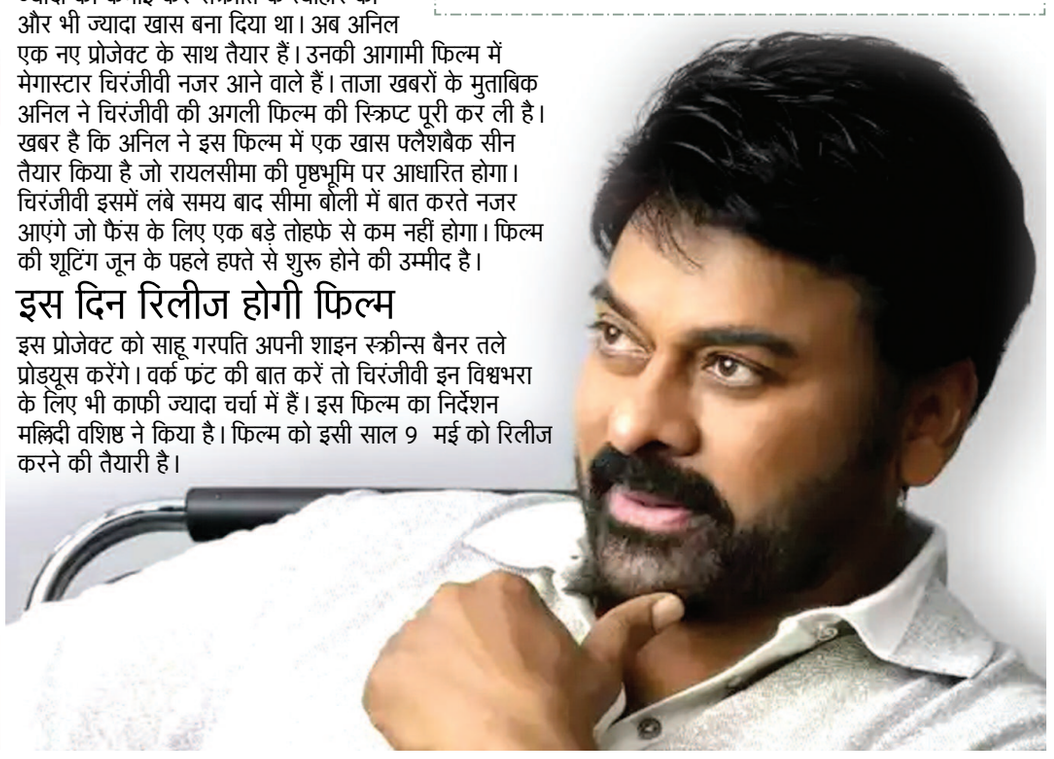

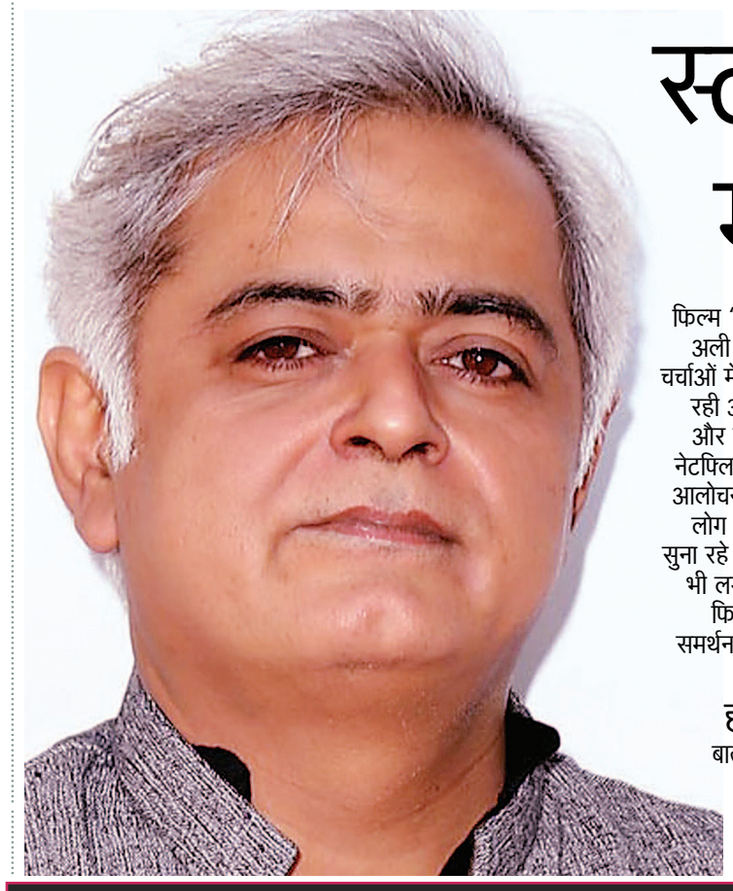

स्टारकिड्स के समर्थन में उतरे हंसल मेहता

फिल्म 'नादानियां' से डेब्यू करने के बाद से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। वजह है फिल्म को लेकर हो रही आलोचना। फिल्म में इब्राहिम के साथ एक और स्टारकिड खुशी कपूर भी नजर आई थीं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म की काफी आलोचनाएं हो रही हैं और सोशल मीडिया पर तो लोग नेटफ्लिक्स की टीम तक को खरी-खोटी सुना रहे हैं। तो वहीं फिल्म के दोनों कलाकारों को भी लगातार ट्रोल किया जा रहा है। अब दिग्गज फिल्ममेकर हंसल मेहता इन स्टारकिड्स के समर्थन में आए हैं और उन्होंने इन टिप्पणियों को लोगों का खराब टेस्ट बताया है।

हंसल मेहता ने किया बचाव

बातचीत में निर्देशक-निर्माता हंसल मेहता ने नादानियां फिल्म की आलोचना और स्टारकिड्स के बारे में दर्शकों की राय पर कहा, मुझे लगता है कि लोग बहुत कठोर और गलत हैं। दुख की बात यह है कि क्या हमने इन्हें मौका मिलने से पहले, इन बच्चों की तैयारी देखी है? लोग जिस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं, वे बहुत ही खराब हैं। मुझे यकीन है कि ये टिप्पणियां इन नए बच्चों के लिए काफी दर्दनाक होंगी, लेकिन हम भूल जाते हैं कि एक समय में उनके माता-पिता ने भी बहुत ही अजीब शुरुआत की थी। बात बस इतनी है कि वे उस समय लोगों की नजरों में उतने नहीं थे, जितने अब सोशल मीडिया के कारण हैं।

स्टारकिड होने से कोई अच्छा एक्टर नहीं हो सकता

हंसल मेहता ने इस बात पर जोर दिया कि फिल्मों को बनाने, निर्माण करने और निर्देशन के लिए जिम्मेदार लोगों को पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि कलाकार और उनकी टीम उन्हें लॉन्च करने से पहले पूरी तरह से तैयार हो। निर्देशक ने कहा कि यह मान लेना गलत है कि कोई व्यक्ति सिर्फ अपने वंश के कारण या परिवार के कारण अच्छा एक्टर होगा।

बड़े बैनर से लॉन्च होना चाहते हैं स्टारकिड

हंसल मेहता ने आगे कहा, स्टारकिड्स किसी बड़े बैनर से ही लॉन्च होना चाहते हैं, भले ही उनके पास कोई बड़ा और बढ़िया आइडिया हो या न हो। वो चाहते हैं कि कोई बड़ा इंसान उन्हें हर समय सलाह देता रहे। फिर जब मैं देखता हूं कि लोग उनका मजाक उड़ा रहे हैं, तो मुझे बहुत दुख होता है। मेरा उनसे बस यही कहना है कि वो अपना सिर नीचे रखें और सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। जैसे ही वे किसी चीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, चाहे वह बॉक्स ऑफिस पर कितनी भी अच्छी या बुरी क्यों न हो, उन्हें सम्मान मिलेगा। उनका पहला लक्ष्य अपने काम से सम्मान पाना होना चाहिए।

मां बनने के बाद काम पर लौटने की तैयारी में दीपिका पादुकोण

हाल ही में दीपिका पादुकोण ने एक अंतराष्ट्रीय इवेंट में खुलासा किया कि वह किस तरह जिम्मेदारियों और काम के बीच संतुलन बना रही थी। अभिनेत्री ने बताया कि वह पता लगा रही थी कि मां बनने के बाद बिना पश्चाताप के काम पर कैसे लौटें। उन्होंने मां बनने के बाद सिनेमाई परदे पर वापसी को लेकर कहा कि वह इससे जूझ नहीं रही थी, बल्कि समझ रही थी। दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री हैं, वह जल्द ही फिर से काम पर लौटने वाली हैं। साल 2024 में अभिनेत्री आखिरी बार 'सिंघम अगेन' फिल्म में नजर आई थीं। इस बात से उन्होंने संकेत दे दिया है कि वह बहुत जल्द अपने अभिनय का जादू बिखेरती दिखेंगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।